दिनाँक 01 अगस्त 2016 को भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन जयन्ती विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय जी एवं अध्यक्ष मा. कुलपति रहे।

मंच पर आसीन समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय एवं प्रो. एम.पी. दुबे तथा कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी/प्रभारी/अध्यापक तथा श्रोतागण

सातवें विश्व शिक्षा सम्मेलन में एशिया की प्रमुख पत्रिका डिजीटल लर्निंग द्वारा दिनांक 05–06 अगस्त 2016 को आई.सी.टी पर ली मेरीडियन नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एम.पी.दुबे को उच्च शिक्षा में आईसीटी के विकास में अनुकरणीय भूमिका के लिए "हायर एजूकेशन लीडरशिप एवार्ड" से सम्मानित किया गया।

राजर्षि टण्डन जयंती समारोह का आयोजन

मुख्य अतिथि डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक अध्ययन केन्द्र निर्देशिका की प्रति भेंट करता हुआ विश्वविद्यालय परिवार।

दनांक 01 अगस्त, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में राजर्षि टण्डन जयन्ती समारोह आयोजित की गयी। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय सदस्य, विधान परिषद उत्तर प्रदेश डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी रहे एवं समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

मुविवि में त्रयोदश दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथि।

दीक्षान्त समारोह व्याख्यानमाला श्रृंखला का प्रथम व्याख्यान आज दिनाँक 29 अगस्त, 2018 को 'भारतीय शैक्षिक परम्परा एवं महत्व' विषय पर आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री ओम पाल सिंह जी रहे तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी द्वारा की गयी।

दिनाँक 01 दिसम्बर 2015 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर से डोमियोपैथिक मेडिकल कालेज शांतिपुरम, फाफामऊ तक एक रैली का आयोजन किया गया। रैली में माननीय कुलपति जी सहित विश्वविद्यालय के सभी निदेशक/अधिकारी/शिक्षक/परामर्शदाता/कर्मचारी के अलावा गुरुकुल माण्टेसरी एवं रुद्र प्रयाग विद्या मंदिर के छात्र एवं शिक्षक सहित लगभग दो सौ लोगों ने प्रतिभाग किया।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर से होमियोपैथिक मेडिकल कालेज शांतिपुरम, फाफामऊ तक एक रैली को अनुप्राणित करते हुए माo कुलपति जी एवं साथ में शिक्षकगण।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के तत्त्वावधान में **'वर्तमान में योग की प्रासंगिकता'** विषय पर दिनांक 01–02 मार्च 2017 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी, मुख्य वक्ता प्रो0 राजलक्ष्मी वर्मा इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र एवं संरक्षक के रुप में कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, संयोजक डॉ0 रामजी मिश्र, सह संयोजक डॉ. रुचि बाजपेई, समन्वयक डॉ. जी.के. द्विवेदी एवं आयोजन सचिव डॉ0 स्मिता अग्रवाल रही।

ई–सोविनियर का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति जी, मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं आयोजन समिति के सदस्यगण।

दिनांक 01 दिसम्बर, 2016 को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार माननीय प्रकाश जावड़ेकर द्वारा डिजिटल एकोनॉमी:– कैशलेश अर्थव्यवस्था की जागरूकता हेतु वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के माध्यम से सम्बोधित किया गया। जिसका सीधा प्रसारण राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में भी किया गया। मा0 केन्द्रीय मंत्री ने अपने उद्बोधन में कैशलेस माध्यमों के विभिन्न आयामों एवं तकनीकियों के बारे में बताया। इस अवसर पर गंगा परिसर स्थित कमेटी कक्ष में विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, तकनीकी अधिकारी एवं कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे।

माननीय प्रकाश जावड़ेकर द्वारा डिजिटल एकोनॉमी:– कैशलेस अर्थव्यवस्था की जागरूकता हेतु वीडियो कान्फ्रेन्सिंग में उपस्थित मा. कुलपति महोदय एवं विश्वविद्यालय के निदेशक एवं तकनीकी अधिकारीगण

7. भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान :–

दिनांक 02 फरवरी, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में "भारतीय संस्कृति : एक विवेचना (आधुनिक संदर्भ में)" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता संस्कृत साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान प्रो0 कमलेश दत्त त्रिपाठी जी, आचार्य, शताब्दी पीठ, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी रहे एवं सारस्वत अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ0 रामनरेश त्रिपाठी जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 कुलपति जी ने की।

अतिथियों का स्वागत आयोजन सचिव डॉ0 स्मिता अग्रवाल ने तथा व्याख्यान के बारे में मानविकी विद्याशाखा के निदशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने जानकारी दी । सचालनएवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल ने किया।

प्रो0 कमलेश दत्त त्रिपाठी

सांस्कृतिक संतुलन है भारतीय संस्कृति में–प्रो0 त्रिपाठी

मुख्य वक्ता संस्कृत साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान प्रो0 कमलेश दत्त त्रिपाठी आचार्य, शताब्दी पीठ, भारत अध्ययन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने व्याख्यान देते हुए कहा कि भारतवर्ष में एक सांस्कृतिक संतुलन है। भारतीय संस्कृति दो तत्वों पर खड़ी है धर्म और प्रेम। यह धर्म बदलने वाला नहीं है, यह तो सनातन है जो सारे विश्व के लिए भारत की तरफ से उपहार है। इसी तरह प्रेम में विश्व बन्धुत्व की भावना विद्यमान है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सनातन संस्कृति है। ये संस्कृति अविच्छिन्न प्रवाह से चलती रहती है। उन्होंने कहा कि यह देश अद्भुत है। भारतीय संस्कृति में विश्व ज्ञान उत्पन्न करती है, धन से दान तथा शक्ति से रक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि आज इस बात की पुनर्विवेचना की आवश्यकता है कि हम 1000 वर्षों तक पराधीन क्यों रहे। हमने जो प्रतिरोध किया और विजय प्राप्त की, उसकी चर्चा कहीं नहीं की गयी। हमें नकारात्मक चित्रण से उबरना चाहिए। वैश्वीकरण के युग में हमारे सामने फिर से नई चुनौतियां सामने आ गयी है।

सारस्वत अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ0 रामनरेश त्रिपाठी ने कहा कि प्रयाग की यह भूमि आदि संस्कृति का स्रोत है। प्रयाग में ही पूर्णता की प्राप्ति होती है। वेदों का प्रथम गायन प्रयाग में ही हुआ। भारतीय संस्कृति की झलक यहाँ माघ मेले में एक माह तक लगने वाले कल्पवास में देखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की चर्चा आज पूरे विश्व में हो रही है। एक–एक मंत्र का वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है।

डॉ0 रामनरेश त्रिपाठी

दिनाँक 02 अक्टूबर 2016 को गांधी जयन्ती समारोह विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में "गाँधी और विश्व शान्ति" विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सन्तोष गोइन्दी, समाजसेवी व गांधीवादी विचारक एवं मुख्य अतिथि प्रो.आर.पी.मिश्र, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. कुलपति प्रो.एम.पी.दुबे ने की। गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत वृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया है। इसके साथ ही परिसर को स्वच्छ बनाये रखने में अपना योगदान करने वाले सभी सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर युवाओं के अंदर स्वावलम्बन की भावना विकसित करने के लिए गांधी चरखा प्रयोगशाला में सूत कताई का प्रशिक्षण भी दिया गया। कार्यक्रम संयोजक मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव थे।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण, माननीय कुलपति जी, कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 साधना श्रीवास्तव एवं मंच पर बैठे हुए अतिथिगण तथा सभागार में बैठे हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षकगण व कर्मचारीगण।

दिनांक 18 अक्टूबर, 2016 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र झांसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को विपिन बिहारी डिग्री कालेज में आयोजित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुरेन्द्र दुबे जी, विशिष्ट अतिथि विपिन बिहारी डिग्री कालेज के प्राचार्य, डॉ. एन.एन. पाण्डेय जी एवं अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।

आगन्तुक अतिथियों का परिचय एवं संचालन करते हुए डॉ. विजय यादव असिस्टेंट प्रोफेसर, विपिन बिहारी डिग्री कॉलेज झाँसी

(ख.) महापुरुषों की जयन्ती :-

1. **गाँधी जयन्ती** – दिनांक 02 अक्टूबर, 2017 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस एवं गाँधी जयन्ती के अवसर पर सोमवार को दिग्गजों का जमावड़ा हुआ। अवसर था लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में "नए युग की राजनीति के लिए अहिंसा" विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। जाने माने गांधीवादी विचारकों, शिक्षाशास्त्रियों, न्यायविदों एवं राजनेताओं ने बेबाकी से अपने विचार रखे और गांधी जी को इस युग का महापुरुष बताया। सेमिनार में पूर्व सांसद एवं पूर्व कुलपति प्रख्यात गांधीवादी विचारक डॉ0 रामजी सिंह, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र, न्यायमूर्ति सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, डॉ0 सुरेन्द्र वर्मा एवं विश्वविद्यालय के कुलपति जी ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी तथा विषमता–प्रो0 रामजी सिंह

सेमिनार में विचार व्यक्त करते हुए 93 वर्षीय **पूर्व सांसद एवं पूर्व कुलपति प्रख्यात गांधीवादी विचारक डॉ0 रामजी सिंह** ने कहा कि आज देश के सामने सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी तथा विषमता है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक आज देश में आर्थिक विषमता की दर 27 प्रतिशत पहुंच चुकी है। जिसका मतलब साफ है कि एक व्यक्ति के पास इतनी दौलत है जो 27 व्यक्तियों के पास नहीं है। डॉ0 सिंह ने कहा कि आज जनता के हित की राजनीति नहीं हो रही है। केवल राजनीतिक दलों के प्रमुखों के दिशा–निर्देशों पर ही राजनीति हो रही है। डॉ0 सिंह ने कहा कि यदि जनता की आवाज सुनी जाती तो नोटबन्दी और जी0एस0टी0 जैसे निर्णय जनमत से लिए जाते। उन्होंने कहा कि आज राजनीति में नीति नहीं है। सिद्धान्तहीन राजनीति का कोई आधार नहीं है। आज की राजनीति को बदलना होगा। यह राजनीति अंग्रेजों से उधार ली गयी राजनीति है। डॉ0 सिंह ने कहा कि अब विश्वयुद्ध नहीं होगा। युद्ध का मतलब सर्वनाश है। ऐसे में अब कोई देश युद्ध की विभीषिका नहीं चाहेगा। उन्होंने कहा कि भारत सामासिक संस्कृति का देश है। भारत विभिन्नता में एकता का देश है।

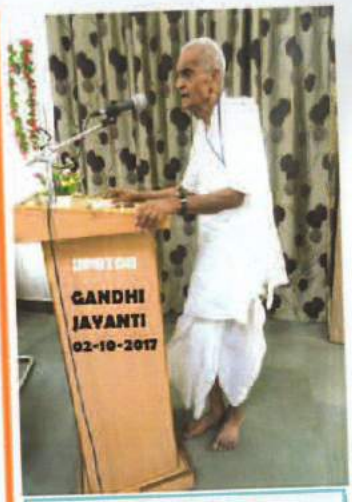

डॉ0 रामजी सिंह

अध्यक्षता करते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र ने कहा कि गांधीमार्ग का अनुसरण करके कई देश आजाद हुए। इनमें सबसे ताजा उदाहरण बर्मा है। इसके साथ ही कम्बोडिया, वियतनाम, ईजिप्ट, लीबिया आदि कई देशों ने गांधीवादी रास्ता अख्तियार करके आजादी पायी। प्रो0 मिश्र ने कहा कि गांधी जी तो विश्वव्यापी हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद गांधी जी के विचारों का महत्त्व और बढ़ गया है।

प्रो0 आर0पी0 मिश्र

न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने कहा कि हिंसा को भाईचारा की भावना से दूर किया जा सकता है। जीवन एक साधना है। व्यक्ति अपना मूल्यांकन स्वतः कर सकता है कि वह सही है कि गलत। ये किसी बाहरी व्यक्ति को बताने की जरूरत नहीं है।

न्यायमूर्ति सुधीर नारायण

न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि आज के दौर में गांधी जी की पूरी पद्धति का अनुसरण करने की आवश्यकता है। आज युवाओं को गांधी जी की शिक्षाओं को आत्मसात करना चाहिए। युवाशक्ति ही इस देश का भविष्य है। चरित्र का उत्थान बहुत जरूरी है।

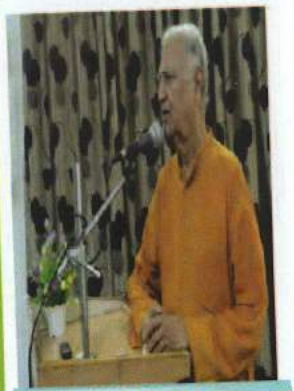
न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय

विश्वविद्यालय में मनायी गयी गाँधी जयन्ती

विश्वविद्यालय में दिनाँक 02 अक्टूबर 2015 को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर "वर्तमान परिवेश में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता" विषय परएक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया एवं विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण भी किया गया।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर सफाई करते हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारी /अधिकारीगण एवं गॉधी भवन का निरीक्षण करते हुए मा0 कुलपति जी एवं इलाहाबाद के मण्डलायुक्त श्री राजन शुक्ला जी।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर वृक्षा रोपण करते हुए इलाहाबाद के आयुक्त श्री राजन शुक्ला जी एवं साथ में मा0 कुलपति जी।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर "वर्तमान परिवेश में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता" विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए (बाये से दाये) वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. विनोद चन्द्र दुबे जी, इलाहाबाद के आयुक्त श्री राजन शुक्ला जी, माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी पूर्व कुलपति प्रो. आर.पी. मिश्रा जी एवं मा0 कुलपति प्रो.एम.पी. दुबे जी।

विश्वविद्यालय में दिनाँक 02 अक्टूबर 2015 को महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर "वर्तमान परिवेश में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता" विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में दिनाँक 02–03 मार्च 2016 को "मोहन से महात्मा तक की यात्रा" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । जिसमें प्रो0 आर. एल. हांगलू, कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि, प्रो0 रामजी सिंह, पुर्व सांसद एवं पूर्व कुलपति, जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, जयपुर, सारस्वत अतिथि प्रो0 आर. पी. मिश्रा, पुर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय,एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 कुलपति, प्रो.एम.पी.दुबे ने की।

चरखा लैब में डाक टिकट प्रदर्शनी का उदघाटन करते हुए प्रो0 आर. एल. हांगलू जी साथ में प्रो0 रामजी सिंह जी, प्रो0 आर पी मिश्रा जी एवं प्रो.एम.पी.दुबे जी

14. "वैदिक गणित का औचित्य" विषयक कार्यशाला :–

दिनांक 03 जून, 2018 को छत्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्याशाखा द्वारा विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में "वैदिक गणित का औचित्य" विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री देवेन्द्र राव देशमुख, राष्ट्रीय संयोजक, वैदिक गणित, विद्या भारती, रामपुर रहे एवं कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत कार्यशाला के संयोजक डॉ. आशुतोष गुप्ता ने किया। आयोजन सचिव डॉ. श्रुति ने संचालन तथा कुलसचिव प्रो. जी.एस. गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यशाला के अन्य तकनीकि सत्रों में श्री देवेन्द्र राव देशमुख, रामपुर, डॉ. जे.पी. सिंह, लखनऊ, प्रो.पी.के. सिंह तथा डॉ. एस.एन. चौरसिया, इलाहाबाद, डॉ. संतोष कुमार सिंह, गोरखपुर, डॉ. उत्तम सिंह, डॉ. अरुण प्रताप सिंह, डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. दिनेश गुप्ता आदि ने पाठ्यक्रम के स्वरूप निर्धारण में महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

श्री देवेन्द्र राव देशमुख

गणित सभी विज्ञानों का मूलाधार–देशमुख

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री देवेन्द्र राव देशमुख ने कहा कि गणित सभी विज्ञानों का मूलाधार है, परन्तु वैदिक गणित की सहायता के बिना गणित के ज्ञान की पूर्णता अधूरी रहेगी। आर्यभट्ट से लेकर रामानुज तक का कार्यकाल गणित की दृष्टि से भारत का स्वर्णिम काल रहा है।

उन्होंने कहा कि वैदिक गणित एवं गणित में कोई विषयगत अंतर नहीं अपितु पद्धति का अन्तर है। पाइथागोरस प्रमेय की व्याख्या बौधायन ने है। शून्य से लेकर अंकिय पद्धति तक सभी में भारत का योगदान है। श्री देशमुख ने कहा कि वैदिक गणित पर पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की योजना स्वागत योग्य है। वैदिक गणित के अभ्यास द्वारा गणित को रोचक और समृद्ध बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक सरल विषय है लेकिन गणित को लेकर अभिभावक एवं अध्यापक भय का वातावरण उत्पन्न करते हैं, इसलिए लोगों तक वैदिक गणित को पहुँचाकर इस विषय को सरल बनाया जा सकता है।

प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने वैदिक गणित की महत्ता को स्वीकार किया है। जिसे हम गुलामी में लम्बे समय तक पढ़ने के कारण भूल चुके थे। उन्होंने कहा कि हमें अपना विकास करना है तो सही की संस्कृति और संस्कार की तरफ देखना होगा। प्रो. सिंह ने कहा कि प्रदेश के 32 विश्वविद्यालयों में छत्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय पहला ऐसा विश्वविद्यालय होगा जो कि आगामी जुलाई सत्र से वैदिक गणित में सर्टीफिकेट और डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारम्भ करने जा रहा है।

12. विश्व पर्यावरण दिवस

कुलपति ने किया मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृक्षारोपण

दिनांक 05 जून, 2019 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर यमुना परिसर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र एवं आवासीय परिसर में वृहद् वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ0 सुनीता सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के साथ वृक्षारोपण किया।

कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए हमें जल जंगल और जमीन को बचाकर रखना होगा। शहरीकरण की वजह से जंगल समाप्त हो रहे हैं जिससे पर्यावरण की अपार क्षति हो रही है। आज आवश्यकता है कि हर भारतवासी एक वृक्ष जरूर लगाये। पेड़ बचे रहेंगे तभी मानवीय जीवन की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। वनस्पतियाँ हमारी धरोहर रही है। भारत प्राचीन काल से विविधताओं से भरा रहा है। हमारे यहाँ जहाँ नदियों की पूजा होती है वहीं वनों को भी देवतुल्य समझकर पूजा जाता है। उन्होंने परिसर को हरा भरा रखने के लिये इस कार्य में लगे मालियों की सराहना की। कहा कि प्रत्येक कर्मचारी का यह दायित्व बनता है कि वे पेड़ पौधों को सूखने न दें। उन्होंने हरित परिसर के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह ने कुलपति प्रो0 सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ0 सुनीता सिंह का स्वागत किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में डॉ0 सुनीता सिंह डॉ0 अभिषेक सिंह, डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया एवं डॉ0 प्रभात चन्द्र मिश्र आदि रहे।

दिनाँक 05 सितम्बर 2016 को शिक्षक दिवस विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में आयोजित किया गया। शिक्षक दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट क्षेत्रीय केन्द्र, अध्ययन केन्द्रों, शिक्षक एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय, अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र ने की एवं संरक्षक के रुप में कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे रहे। अध्यक्षता करते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र ने कहा कि शिक्षक का समाज में श्रेष्ठ स्थान है। शिक्षकों को समाज में उचित सम्मान प्राप्त करने के लिए अपनी कमियों में सुधार लाना होगा, तभी शिक्षा जगत की चुनौतियाँ दूर हो सकती हैं साथ ही शिक्षकों को स्वयं के प्रति और समाज के प्रति ईमानदार रहना होगा तभी राष्ट्र निर्माण और देश का विकार दूर हो सकता है। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय ने इस अवसर पर कहा कि योग्य शिक्षक वही है जो राष्ट्रीय चेतना एवं नैतिक मूल्यों के विचारों को विद्यार्थियों के मन में जगाएँ। आज दूरस्थ शिक्षा का विकास तेजी से हो रहा हैं। कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने कहा कि शिक्षक ही देश का विकास कर सकता है। गुरू ही सृजनशीलता का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय आई0सी0टी0 के क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा हैं। शिक्षार्थियों के अन्दर राष्ट्र निर्माण एवं चरित्र निर्माण की भावना का विकास किया जा रहा है।

सम्मान समारोह में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का सम्मान शिक्षा विद्याशाखा के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, उत्कृष्ट तृतीय श्रेणी कर्मचारी का पुरस्कार श्री इन्दूभूषण पाण्डेय तथा उत्कृष्ट चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का पुरस्कार श्री राजू प्रसाद बारी को न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, प्रो0 आर0पी0 मिश्र एवं प्रो0 एम0पी0 दुबे ने प्रदान किये। कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी श्री डी0पी0 त्रिपाठी को विशिष्ट उत्कृष्टता सम्मान से विभूषित किया गया। सम्मान समारोह में उत्कृष्ट क्षेत्रीय केन्द्र का क्रमशः पुरस्कार लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशक डॉ0 निरांजलि सिन्हा ने प्राप्त किया। पांच उत्कृष्ट अध्ययन केन्द्रों का पुरस्कार क्राइस्ट चर्च कालेज, कानपुर के समन्वयक मेजर बी0पी0 श्रीवास्तव, शिबली नेशनल पी0जी0 कालेज, आजमगढ के समन्वयक डॉ0 जावेद अहमद, बरेली कालेज, बरेली की समन्वयक डॉ0 शचि मित्तल, इस्माइल नेशनल महिला पी0जी0 कालेज, मेरठ की समन्वयक डॉ0 शिवाली अग्रवाल तथा शिवहर्ष किसान पी0जी0 कालेज बस्ती के प्राचार्य डॉ0 राघवेन्द्र शरण त्रिपाठी को न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, प्रो0 आर0पी0 मिश्र एवं कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने प्रदान किए। पांचों अध्ययन केन्द्र के समन्वयकों को कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने एक–एक मल्टीपरपज प्रिन्टर भी प्रदान किया जिससे अध्ययन केन्द्र के कार्यक्षमता में और तेजी आ सके। एक अन्य विशेष पुरस्कार सुधाकर महिला पी0जी0 कालेज, वाराणसी को प्रदान किया गया।

मुख्यअतिथियों के साथ शिक्षक दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट पुरस्कार प्राप्त करने वाले सदस्यगण।

दिनांक 05 नवम्बर 2016 को सरदार बल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय एकता सप्ताह, राष्ट्रीय एकता दौड़ तथा **वर्तमान भारत में सरदार वल्लभ भाई पटेल का महत्व एवं प्रासंगिकता** विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिता एवं सम्भाषण प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकनायक तिलक शास्त्रार्थ समागार में आयोजित की गई। जिसमें निदेशक, मानविकी विद्याशाखा डॉ. आर.पी.एस. यादव ने संयोजक के रूप में तथा डॉ. रुचि बाजपेई असि. प्रोफेसर, हिन्दी विभाग ने सह संयोजक के रूप में सहभागिता की।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र बरेली के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 08 नवम्बर, 2016 को बरेली कालेज, बरेली में आयोजित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि एम0जे0पी0 रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली के कुलपति प्रो0 मुशाहिद हुसैन, विशिष्ट अतिथि प्राचार्य, बरेली कालेज, बरेली डॉ. सोनेरा यादव एवं अध्यक्षता उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की।

भारतीय संस्कृति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 08 दिसम्बर, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में भारतीय संस्कृति में वैश्विक दृष्टि विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सेमिनार के मुख्य अतिथि उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज के अध्यक्ष, प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

दिनांक 07 दिसम्बर, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में **भारतीय संस्कृति में वैश्विक दृष्टि** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं विजिटिंग प्रोफेसर , सिविल इंजीनियरिंग विभाग,आई.आई.टी. बी.एच.यू. वाराणसी के डॉ0 पृथ्वीश नाग जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

अतिथियों का स्वागत प्रो0 सुधांशू त्रिपाठी ने किया। दो दिवसीय संगोष्ठी की रिपोर्ट संयोजक डॉ0 एस0 कुमार ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ0 रमेश चन्द्र यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन निदेशक मानविकी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 रमेश चन्द्र यादव एवं मंचासीन माननीय अतिथि

2. विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां एवं प्रकाशन

(क.) संगोष्ठी

1. जम्मू कश्मीर पर राष्ट्रीय सेमिनार :-

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 07 अक्टूबर, 2017 को "जम्मू–कश्मीर : वर्तमान सामाजिक–राजनीतिक संवाद एवं भविष्य की संभावनाएं" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के प्रोफेसर संजीव भदौरिया, मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो0 राजपाल बुधानिया एवं अध्यक्षता मा0 कुलपति जी ने की।

प्रो0 राजपाल बुधानिया

मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो0 राजपाल बुधानिया ने वर्तमान में जम्मू कश्मीर के आतंकवाद को राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा तथा मानवता के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की नीति धर्म के आधार पर आतंकवाद को बढ़ावा देना है जो मानवाधिकार एवं समाज के लिए घातक है।

विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के प्रोफेसर संजीव भदौरिया ने कहा कि जम्मू कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। जम्मू कश्मीर नैसर्गिक सुन्दरता से ओत–प्रोत है। वहाँ का पश्मीना शॉल अपनी कसीदाकारी के लिए विश्वविख्यात है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को समाप्त करने के लिए भाईचारा एवं मानवता की सेवा की जाए।

प्रोफेसर संजीव भदौरिया

मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि जम्मू कश्मीर देश का मुकुट है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर कभी धरती का स्वर्ग था आज वह उबलता हुआ कड़ाह हो गया है। जम्मू कश्मीर पर आज राजनीति नहीं होनी चाहिए वरन् समस्या का समाधान होना चाहिए। आज सूचना एवं संचार क्रांति का युग है। उन्होंने कहा कि आज जम्मू एवं कश्मीर में हिजबुल मुजाहिद्दीन सबसे सक्रिय आतंकवादी संगठन है। यह संगठन भारतीय अस्मिता को सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचा रहा है। प्रो0 प्रसाद ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत के विरुद्ध प्रायोजित आतंकवाद को अपनी नीति के साधन के रूप में प्रयोग किया। हमारी सेना ने आतंकवाद को कुचलने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक का सहारा लिया लेकिन सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भी आतंकवाद नहीं थम रहा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर समस्या का हल सकारात्मक एवं आशावादी प्रयास से बातचीत के द्वारा ही निकल सकता है।

(ख.) सांस्कृतिक कार्यक्रम :-

रंगारंग कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन

दिनांक 08 नवम्बर, 2017 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह सप्ताह व्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत दीक्षान्त पंडाल में आज भव्य कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन किया गया। समारोह में देशभर से आए मशहूर कवियों एवं शायरों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को काव्यरस में सराबोर कर दिया।

काव्य रचना का पाठ किया तो मुक्तागन तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कुलपति जी के निमंत्रण पर आए स्वनामधन्य कवियों की रचनाओं से मुक्त विश्वविद्यालय परिसर गुलजार रहा। डॉ0 रवि मिश्र ने संचालन किया।

इस अवसर तलब जौनपुरी, दयाशंकर पाण्डेय, इन्दु जौनपुरी, नजर इलाहाबादी, ऋतधारा मिश्रा, घायल जौनपुरी, अना इलाहाबादी, दिनेश सिंह बुक्कज, प्रमोद मिश्र प्रियदर्शी, संगम लाल त्रिपाठी, डॉ0 सुधांशु उपाध्याय, डॉ0 शम्भूनाथ त्रिपाठी "अंशुल' चिरकुट इलाहाबादी, डॉ0 पियूष मिश्र, डॉ0 हरिप्रसाद त्रिपाठी 'किसलय' लोकेश शुक्ल, डॉ0 वीरेन्द्र तिवारी, डॉ0 आशीष मिश्र, डॉ0 विजयानन्द, प्रदीप कुमार त्रियांशी आदि ने अपनी ओजस्वी रचनाओं से महफिल में चार चाद लगा दिए।

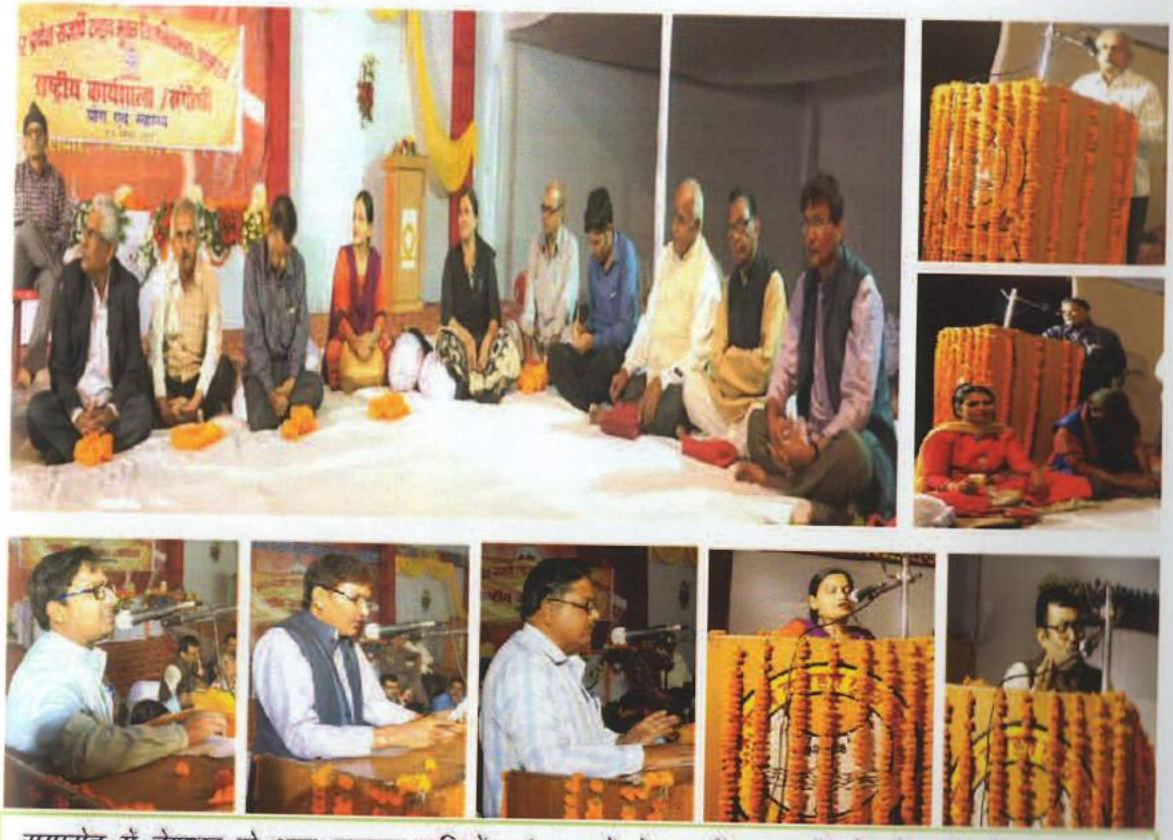

समारोह में देशभर से आए मशहूर कवियों एवं शायरों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को काव्यरस में सराबोर करते हुए डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय, तलब जौनपुरी, दयाशंकर पाण्डेय, इन्दु जौनपुरी, नजर इलाहाबादी, ऋतधारा मिश्रा, घायल जौनपुरी, अना इलाहाबादी, दिनेश सिंह बुक्कज, प्रमोद मिश्र प्रियदर्शी, संगम लाल त्रिपाठी, डॉ0 सुधांशु उपाध्याय, डॉ0 शम्भूनाथ त्रिपाठी "अंशुल' चिरकुट इलाहाबादी, डॉ0 पियूष मिश्र, डॉ0 हरिप्रसाद त्रिपाठी 'किसलय' लोकेश शुक्ल, डॉ0 वीरेन्द्र तिवारी, डॉ0 आशीष मिश्र, डॉ0 विजयानन्द, प्रदीप कुमार त्रियांशी आदि ने अपनी ओजस्वी रचनाओं से महफिल में चार चांद लगा दिए।

5. "जापान–भारत संबंध पर व्याख्यान :–

दिनांक 08 दिसम्बर, 2017 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में "जापान–भारत संबंध ऐतिहासिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य" विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया । व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 टोमियो मिजोकामी जी, ओसाका युनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, जापान तथा अध्यक्ष, कनसाई जापान इण्डिया कल्चरल सोसायटी, विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद जी एवं विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र जी रहे तथा अध्यक्षता कुलपति जी ने की।
धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 (डॉ0) जी0एस0 शुक्ल ने किया।

प्रो0 टोमियो मिजोकामी

व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 टोमियो मिजोकामी, ओसाका युनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, जापान तथा अध्यक्ष, कनसाई जापान इण्डिया कल्चरल सोसायटी ने कहा कि भारत और जापान में अटूट सम्बन्ध है। किसी भी देश के भविष्य का भार युवा पीढ़ी के कंधों पर होता है। एशिया के दो महान प्रजातांत्रिक देशों जापान और भारत के भविष्य–निर्माता यही नई पीढ़ी है। दोनो देशों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम युवाओं का आदान–प्रदान है।

प्रो0 मिजोकामी ने कहा कि यह शुभ संकेत है कि जापान सरकार ने जापान–भ्रमण के लिए आने वाले भारतीय विद्यार्थियों के लिए प्रवेश वीजा की पाबंदी को शिथिल कर दिया है। अब उन्हें भारत सरकार की मान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्थाओं के परिचय–पत्र दिखाने से जापान का वीजा मिल सकेगा। प्रो0 मिजोकामी ने कहा कि यह वर्ष इसलिए भी स्मरणीय रहेगा क्योंकि यह वर्ष दस साल के बाद "जापान–भारत मैत्रीपूर्ण आदान प्रदानों का वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें नाना प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे है जिसमे भारत–जापान का सांस्कृतिक संबंध अधिक गहन और सघन होकर विकसित होगा। उन्होने कहा कि जापान–भारत मैत्री के संबंध मे हुए सर्वेक्षण मे यह स्पष्ट हुआ है कि अपनी राय व्यक्त करते हुए 46 प्रतिशत भारतीय लोगो ने सबसे विश्वसनीय देश के रूप में जापान को स्वीकार किया। इसके बाद 23 प्रतिशत लोगों ने रूस का नाम लिया। प्रो0 मिजोकामी ने कहा कि बुलेट ट्रेन जरूर दौड़ेगी भारत में। यह खुशी की बात है कि भारत सरकार ने यह फैसला किया है कि मुम्बई और अहमदाबाद के बीच यह बुलेट ट्रेन शुरू की जायेगी। आज ऐसे बहुत से लोग है जिनके लिए समय ही धन है और जो आरामदेह यात्रा करना चाहते है। उन्होने कहा कि 12 नवम्बर 2016 को जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जापान आए थे तो उन्होंने टोक्यो से कोबे तक की 500 किमी की दूरी का सफर इसी बुलेट ट्रेन मे जापानी प्रधानमंत्री श्री आबे के साथ बैठकर ढाई घंटे मे तय किया था। उसी समय बुलेट ट्रेन भारत मे दौड़ाने की योजना प्रधानमंत्री ने बना ली थी।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में दिनांक 09 नवम्बर, 2016 को पश्चिम बंगाल के माननीय श्री राज्यपाल पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी का अभिनन्दन एवं **'राष्ट्रीय एकता में सरदार बल्लभ भाई पटेल का योगदान'** विषय पर व्याख्यान तथा विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का भूमिपूजन एवं शिलान्यास माननीय श्री राज्यपाल पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी के करकमलों द्वारा किया गया। निदेशक, मानविकी विद्याशाखा डॉ. आर.पी.एस.यादव संयोजक के रुप में सहभागिता की।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का भूमिपूजन एवं शिलान्यास तथा वृक्षारोपण करते हुए पश्चिम बंगाल के माननीय श्री राज्यपाल पं0 केशरी नाथ त्रिपाठी जी साथ में मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे जी एवं विश्वविद्यालय परिवार।

त्र
एवं राष्ट्र निर्माण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन दिनांक 10 नवम्बर 2016 को किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0

3. "योग एवं स्वास्थ्य" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार :–

दुनिया की एक तिहाई आबादी मानसिक व्याधियों से ग्रस्त–प्रो0 भारद्वाज

दिनांक 09 नवम्बर, 2017 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में "योग एवं स्वास्थ्य" विषयक राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के प्रो0 ईश्वर भारद्वाज ने कहा कि आज दुनिया की एक तिहाई आबादी मानसिक व्याधियों से ग्रस्त है। योगशास्त्र मन को वश में रखने के तरीके बताता है। योग विज्ञान मन का विज्ञान है। इस समाज में ही हमें रहना है। बुराईयों के बीच में हम ठीक तभी रह सकते हैं जब योग करेंगे। जब तक हम दूसरों को साथ लेकर नहीं चलेंगे सुखी नहीं हो सकते। तनाव का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। रोग पहले मन में आता है फिर शरीर में प्रकट होता है। प्रो0 भारद्वाज ने कहा कि अच्छा या बुरा जो भी कर्म हो उसका फल हमें स्वयं भोगना है। इसलिए हमेशा अच्छे कर्म करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जीवन बहुत कीमती है इसे व्यर्थ में नहीं खोए। जीवन को समाज के कार्य में लगायें। विवेक योग से आता है। विवेक शून्य व्यक्ति कुछ भी कर सकता है। संचालन तकनीकी अधिकारी शितल मिश्रा ने किया।

सेमिनार में कुलपति, कुलसचिव, निदेशक मानविकी आदि ने विचार व्यक्त किये। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला/सेमिनार के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'लोकतंत्र एवं राष्ट्र निर्माण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन दिनांक 10 नवम्बर 2016 को किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 अरुण चतुर्वेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर राजस्थान एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 कुलपति, प्रो0 एम0 पी0 दुबे ने की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा रहे।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई असि0 प्रोफेसर डॉ0 साधना श्रीवास्तव तथा पुष्प गुच्छ देकर मुख्य वक्ता जी का स्वागत करती हुई असि0 प्रोफेसर डॉ0 रुचि बाजपेई एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मा0 कुलपति जी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करती हुई असि0 प्रोफेसर डॉ0 दीपशिखा श्रीवास्तव।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 13 नवम्बर, 2016 को आयोजित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ0 पृथ्वीश नाग, कुलपति, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 एम0 पी0 दुबे, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 सतीश जैसल, असि. प्रोफेसर पत्रकारिता, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं मंच पर बैठे हुए मा0 अतिथिगण तथा सभागार में उपस्थित अध्ययन केन्द्र समन्वयक व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण एवं निदेशकगण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 17 नवम्बर, 2016 को 'अंतर्राष्ट्रीय दर्शन दिवस' के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 ओमजी गुप्ता एवं मंचासीन कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 पी0 पी0 दुबे एवं मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव रहे। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. आर.पी.एस यादव तथा आयोजन सचिव के रूप में डॉ. अतुल कुमार मिश्र ने प्रमुख भूमिका निभाई।

अतिथियों का स्वागत करते हुए निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, कार्यक्रम के बारे बताते हुए डॉ0 अतुल मिश्रा तथा कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

"भारत मे जन जाति– समुदाय, संस्कृति और सुशासन"

(Tribes in India- Community, Culture and Governance) विषय पर व्याख्यान

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय मे स्थापित पं0 दीन दयाल उपाध्याय दूरस्थ शिक्षा शोध के तत्वावधान मे दिनांक 11 सितम्बर 2017 सोमवार को पूर्वाहन 11 बजे सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार मे "भारत मे जन जाति– समुदाय, संस्कृति और सुशासन" (Tribes in India- Community, Culture and Governance) विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय मे स्थापित अटल बिहारी बाजपेयी पीठ प्रोफेसर महामहोपाध्याय प्रो0 राजेन्द्र मिश्र जी रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति जी ने किया।

महामहोपाध्याय प्रोफेसर राजेन्द्र मिश्र "अभिराज"

जनजातीय समाज के गीत, नृत्य और वाद्य यंत्रों का विशेष महत्व – प्रो0 मिश्र

महामहोपाध्याय प्रोफेसर राजेन्द्र मिश्र "अभिराज" ने व्याख्यान देते हुए कहा कि भारत का जनजातीय स्वरूप आज भी जंगलों मे विद्यमान है। जंगलों को जंगल बने रहने दीजिए उसे काटिए मत। ढेर सारी चीजें ऐसी है जो सभ्य समाज मे लुप्त हो गयी लेकिन वह जनजातीय समाज मे आज भी जीवित है। प्रो0 मिश्र ने कहा कि भारतवर्ष के लिए ट्राइबल एरिया की देन अनंत है। जनजातीय समाज मे गाए जाने वाले गीत, नृत्य और वाद्य यंत्रों का अपना विशेष महत्व है। उनके गीतों का प्रतिपाद्य अलग है। दुर्भाग्य से ये परम्पराये समाप्त हो रही है। प्रो0 मिश्र ने कहा कि हिमाचल प्रदेश तो जनजातीय उत्सवों के लिए खजाना है। कला के नाम पर वहां सब इकट्ठा हो जाते है। कला की उपासना सभी को करनी चाहिए।

प्रो0 मिश्र ने कहा कि हमारे समाज का जो स्वरूप था उसमे जनजातीय समाज हर मायने मे संतुष्ट था, उनमे कोई वैमनस्य नही था। हर व्यक्ति का समाज मे अत्यन्त उत्कृष्ट स्थान था, जनजातीय समाज भी सभ्य समाज से जुड़ा था। प्रो0 मिश्र ने कहा कि देश का ऐसा कोई भी राज्य नही है जहाँ 9–10 जनजाति न हो। उन्होंने कहा कि तंत्र-मंत्र का साहित्य किसी शिष्ट व्यक्ति के पास नही है। यह कार्य जनजातीय क्षेत्र मे सुगमता पूर्वक चल रहा है। हिमाचल प्रदेश तो जनजातियों का गढ़ है। वहाँ बीमार होने पर या चोरी होने पर डाक्टर और पुलिस के पास न जाकर मंदिर के पुजारी के पास लोग जाते है और अपना निदान करवाते है। जनजातीय संस्कृति मे सौंदर्य चेतना विद्यमान है। भारतीय समाज मे जो जनजाति है वह लोक, जंगलों, गांवें, नदी के किनारे रहती है। भारतीय समाज मे वह सम्पूर्णता की दृष्टि से सभ्य शिक्षित समाज से अलग कभी नही रहा। जनजातीय समाज एकदम से परिष्कृत समाज के समकक्ष है। उस समाज के प्रति कभी भी लघुता या द्वेष का भाव नही रखा। उन्होंने रामायण एवं पौराणिक आख्यानों का उल्लेख करते हुए समवेत जीवन शैली का वर्णन किया।

2 "असंक्रमणीय बीमारियां : कारण, परिणाम एवं निवारण" विषय पर राष्ट्रीय

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान मे गुरूवार 12 अ "**असंक्रमणीय बीमारियां : कारण, परिणाम एवं निवारण**" विषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के नेशनल रिसर्च प्रोफेसर डॉ0 अशोक जी रहे। सेमिनार की अध्यक्षता मा0कुलपति जी ने की।

प्रारम्भ मे सेमिनार की विषयवस्तु स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने प्रस्तुत की। डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संचालन डॉ0 रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने किया।

अन्य तकनीकी सत्रों मे प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, डॉ0 ओमजी गुप्त, डॉ0 एच0के0 बजाज, डॉ0 हिमांशु पाण्डेय, डॉ0 पी0पी0 दुबे, डॉ0 दानिश अहमद, डॉ0 राजरानी मिश्र, डॉ0 अजय मिश्र, डॉ0 आशुतोष गुप्त, डॉ0 अनुभव वर्मा एवं डॉ0 गुरूप्रीत बत्रा आदि ने विभिन्न बीमारियों से बचाव के बारे मे महत्वपूर्ण जानकारी एवं शोधपरक व्याख्यान दिये।

मुख्य अतिथि मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के नेशनल रिसर्च प्रोफेसर अशोक गजानन मोडक ने कहा कि संयमित जीवन शैली से हर व्यक्ति सुखी जीवन का स्वामी बन सकता है। हर व्यक्ति की यह चाहत होती है कि वह स्वस्थ एवं सुखी जीवन जिए।

प्रोफेसर अशोक गजानन मोडक

5. व्याख्यानमाला

(क.) राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन स्मृति व्याख्यानमाला :-

दिनांक 12 अक्टूबर, 2017 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन स्मृति व्याख्यानमाला के 14वें पुष्प 'एकात्म मानववाद की प्रासंगिकता' पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो0 अशोक गजानन मोडक, नेशनल रिसर्च प्रोफेसर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली रहे अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र जी ने की एवं संरक्षक कुलपति जी रहे।

व्याख्यानमाला का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव ने किया।

केवल आर्थिक विकास ही विकास का पैमाना नहीं– प्रो0 मोडक

प्रो0 अशोक गजानन मोडक

मुख्य वक्ता प्रो0 अशोक गजानन मोडक, नेशनल रिसर्च प्रोफेसर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने कहा कि आज आवश्यकता एकात्म चिंतन की है। केवल शारीरिक विकास ही महत्वपूर्ण नहीं है, आत्मिक विकास बहुत जरूरी है। विकास एक व्यापक संकल्पना है। केवल आर्थिक विकास ही विकास का पैमाना नहीं है। भारतीय चिंतक मानसिक चिंतन को महत्व देते हैं।

प्रो0 मोडक ने कहा कि एकात्म मानववाद आज प्रासंगिक हो गया है। प0 दीनदयाल उपाध्याय ने माना कि विकास का मतलब जनकल्याण है। विकास प्रयत्न साध्य है। आज समाज में विसमताएं बढ़ रही हैं। आवश्यकता संयम एवं समन्वय की है। एकात्म मानववाद के समग्र चिंतन करने की आवश्यकता है। हमें यह भाव रखना होगा कि हिमालय से लेकर कन्या कुमारी तक यह हमारी मातृभूमि है, जिससे राष्ट्रवाद की धारणा मजबूत होगी। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि रामप्रसाद बिस्मिल हमारे लिये जितने पूजनीय है उतने ही पूजनीय अशफाक उल्ला खां भी हैं । हमारी संस्कृति सनातन है। आज पूरा विश्व भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत है। प्रो0 मोडक ने कहा कि राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन महापुरुष और प्रेरणा पुरुष हैं। उनकी स्मृति को तरोताजा बनाये रखने के लिये उत्तर प्रदेश सरकार ने उनके नाम पर मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की है जो स्वागत योग्य है।

(ख.) पं0 दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला :-

दिनांक 12 जनवरी, 2018 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य शास्त्रार्थ सभागार में पं0 दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला के द्वितीय पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता राष्ट्रधर्म के सम्पादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के अवकाशप्राप्त प्रो0 ओ0पी0 पाण्डेय जी रहे। सारस्वत अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पं0 अटल बिहारी बाजपेयी पीठ के प्रोफेसर महामहोपाध्याय प्रो0 राजेन्द्र मिश्र 'अभिराज' एवं अध्यक्षता माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी ने की तथा सरक्षक के रुप में मा0 कुलपति जी उपस्थित रहे।

यज्ञानुष्ठान से प्रयाग कुम्भ की महत्ता सर्वाधिक–प्रो0 पाण्डेय

प्रो0 ओ0पी0 पाण्डेय

मुख्य वक्ता राष्ट्रधर्म के सम्पादक एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रो0 ओ0पी0 पाण्डेय "महाकुम्भ : एक सांस्कृतिक प्रसंग" विषय पर व्याख्यान देते हुये कहा कि जीवन में जो अपेक्षणीय है, जो पाप ताप है उसे दूर करने वाला कुम्भ है। पृथ्वी पर कल्याण की स्थिति ग्रहों के अनुग्रह से बनती है। उन्होंने कहा कि यज्ञानुष्ठान से पृथ्वी का पोषण करने वाला कुम्भ ही है। प्रयाग में सबसे ज्यादा यज्ञानुष्ठान के प्रमाण मिलते है इसलिए प्रयाग के महाकुम्भ की महत्ता अधिक है। कुम्भ की एक पौराणिक पृष्ठभूमि रही है। प्रो0 पाण्डेय ने महाकुम्भ : एक सांस्कृतिक प्रसंग विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि कुम्भ जीवन में सबसे ज्यादा जाना पहचाना प्रतीक है।कुम्भ घट का और जीवन का प्रतीक है। प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि चारों कुम्भ चार वेदों, चार वर्णों, चार युगों के द्योतक हैं। कुम्भ के मुख पर विष्णु का निवास है। किसी भी प्रतिष्ठित धार्मिक कार्य का प्रारम्भ कलश स्थापना पूजा से ही होता है। कण्ठ में भगवान शिव का निवास है। सृष्टिकर्ता ब्रहमा का निवास मूल भाग में है।

प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि प्रयाग का कुम्भ क्षेत्र व्याकरण भाषा की प्रयोगशाला रहा है। महर्षि पाणिनी ने भाषा की प्रयोगशाला के रूप में प्रयाग को चुना। यहीं उन्होंने 14 साल तपस्या की । अक्षयवट की छाया में उन्हें तत्वज्ञान प्राप्त हुआ ओर अष्टाध्यायी यहीं पुष्पित पल्लवित हुई। प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि पं0 दीन दयाल उपाध्याय का दृष्टिकोण एकात्म मानववाद के रूप में विश्व में प्रसिद्ध है। यह एकात्मवाद कुम्भ से मिलता है। पं0 दीन दयाल का मानना था कि समाज की आर्थिक एवं सामाजिक संरचना के लिए एक–एक व्यक्ति को विचार करना होगा। व्यक्ति के विराट रूप दर्शन का आयोजन ही महाकुम्भ है।

प्रो0 राजेन्द्र मिश्र अभिराज

सारस्वत अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के पं0 अटल बिहारी बाजपेयी पीठ के प्रोफेसर महामहोपाध्याय प्रो0 राजेन्द्र मिश्र अभिराज ने कहा कि प्रयाग के कुंभ में गंगा एवं यमुना तो प्रत्यक्ष दिखायी देती है और सरस्वती अंत संलिला है। धार्मिक प्रसंग का ज्ञान केवल शब्द प्रमाण से मिलता है। गंगा कोई सामान्य नदी नहीं है इसलिए ऋषि मुनियों द्वारा कहा गया कि गंगा के दर्शन से ही मुक्ति हो जाती है। त्रिवेणी के नाम से प्रसिद्धि हो गयी है गंगा, यमुना और अंत संलिला सरस्वती की। उन्होंने कहा कि यह परिकल्पित होते हुए भी यथार्थ से अभिप्रेरित है।

न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण

अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण ने कहा कि प्रयाग वह स्थान है जहाँ न्याय, धर्म और विद्या तीनों है इसलिए यह तीर्थराज कहलाता है। प्रयागराज की महिमा अपरम्पार है। महाकुम्भ अत्यन्त फलदायी है।

5. भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती– उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शनिवार दिनांक 14 अप्रैल, 2018 को भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयन्ती सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में धूमधाम से मनायी गयी। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विनय कुमार रहे। समारोह की अध्यक्षता कुलसचिव प्रो. जी.एस. शुक्ल ने की।
समारोह का संचालन डॉ. रामजी मिश्र ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विनोद कुमार गुप्त ने किया । इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्या शाखा के निदेशक डॉ. आर.पी.एस. यादव ने किया। समारोह में डॉ. रमेश चन्द्र यादव, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. आशुतोष गप्ता, डॉ. आर.एस. वर्मा, डॉ. अतुल मिश्र एवं अनुराग विद्यार्थी ने बाबा साहब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

श्री विनय कुमार

समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया डॉ. अम्बेडकर ने– श्री विनय कुमार

मुख्य अतिथि पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विनय कुमार ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर महान चिन्तक थे। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए डॉ. अम्बेडकर ने महत्वपूर्ण प्रयास किये। डॉ. अम्बेडकर द्वारा जिस संविधान की स्थापना की गयी वह अनेकता मे एकता रखता है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हर व्यक्ति को रोजगार की गारण्टी देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का प्रारम्भिक जीवन बहुत ही विपन्नता में व्यतीत हुआ लेकिन उन्होने समाज सेवा के संकल्प को अंगीकार किया।

दिनाँक 15 अगस्त 2016 को स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रो.एम.पी.दुबे ने ध्वजारोहण किया। कुलपति प्रो0 दुबे ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि शिक्षा के द्वारा राष्ट्रनिर्माण में योगदान कर सकते हैं, समाज हित में कार्य करने के लिए सभी को संकल्प लेना चाहिए। विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में सभी का योगदान है। इस अवसर पर सरस्वती परिसर में शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान एवं वृक्षारोपण किया। गार्गी सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, कुलसचिव श्री डी0पी0 त्रिपाठी, डॉ0 ओमजी गुप्त, डॉ0 पी0पी0 दुबे, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 एस0पी0 गुप्ता, डॉ0 श्रुति, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, डॉ0 शैलेश यादव, परमानन्द उपाध्याय, रामप्रवेश यादव तथा बेबी आस्था श्री ने देश भक्ति परक गीतों एवं भजनों से समां बांधा।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य कुलपति प्रो0 एम.पी. दुबे के साथ

विश्वविद्यालय के गाजियाबाद एवं मेरठ क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न जनपदों में स्थापित अध्ययन

मुविवि के यमुना परिसर में वृहद वृक्षारोपण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के शान्तिपुरम, फाफामऊ सेक्टर–बी में स्थित यमुना परिसर मे शनिवार को वृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया । वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ कुलपति जी ने करते हुए कहा कि पर्यावरण प्रदूषण समाप्त करने के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है। वन विभाग के सहयोग से मुक्त विश्वविद्यालय में पर्यावरण को संरक्षित करने के उददेश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम की वृहद कार्ययोजना बनायी गयी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की बिगडती स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की आवश्यकता है। कलपति जी ने कहा कि पर्यावरण की गुणवत्ता की सर्वेक्षण हेतु सभी आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। यमुना परिसर मे बाउण्ड्रीवाल के आस–पास लगाये गये छायादार वृक्षो से राहगीरों को गर्मी मे छाँव मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण की गुणवत्ता के मानक निर्धारित करने की आवश्यकता है, जिससे विभिन्न स्वास्थ्यजनित संकट से मुक्ति मिल सके।

इस अवसर पर क्षेत्रीय वन अधिकारी सोरांव श्री एस0पी0 ओझा ने कहा कि सरकार गंगा किनारे की भूमि के आस पास सम्पूर्ण पौधारोपण अभियान के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय परिसर मे पौधा रोपण अभियान से इसकी शुरूआत की गयी है जिसे आगे भी जारी रखा जायेगा। इस अवसर पर कुलपति जी, क्षेत्रीय वन अधिकारी सोरांव श्री एस0पी0 ओझा एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने यमुना परिसर मे विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया।

मुविवि में शिक्षिकाओं ने किया पौधारोपण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के यमुना परिसर मे दिनांक 02 अगस्त, 2017 को विश्वविद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा वृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। कुलपति जी के मार्गदर्शन में आज विश्वविद्यालय की महिला शिक्षकों ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार वृक्षों का रोपण किया। इस अवसर पर वृक्षारोपण अभियान का प्रारम्भ कुलपति जी ने करते हुये कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा मे वृक्षारोपण पुनीत कार्य है। उन्होंने कहा कि महिलायें आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नही है। वृक्षारोपण अभियान में महिलाओं ने जिस तरह से बढ–चढ कर भागीदारी की है उसका परिणाम हरित कैम्पस के रूप में सामने आएगा।

वृक्षारोपण अभियान मे कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एव उनकी पत्नी श्रीमती नीता शुक्ला, वित्त अधिकारी श्री एस0पी0 सिंह, डॉ0 इति तिवारी, डॉ0 रुचि बाजपेयी, डॉ0 श्रुति, डॉ0 मीरा पाल, डॉ0 स्मिता अग्रवाल, डॉ0 दीपशिखा, डॉ0 अलका वर्मा, सुश्री मारिषा, डॉ0 साधना श्रीवास्तव,, डॉ0 नीता मिश्रा, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, डॉ0 ओमजी गुप्त, डॉ0 प्रेमप्रकाश दुबे, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 आशुतोष गुप्त, प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी, डॉ0 टी0एन0 दुबे, डॉ0 राजेश पाण्डेय, श्री सुखराम मथुरिया तथा क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 अतुल मिश्र एवं उनकी पत्नी डॉ0 जया मिश्रा ने वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय सहभागिता की।

दिनांक 15 अगस्त, 2017 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के यमुना परिसर मे वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, सभी विद्याशाखा के निदेशक एवं शिक्षक तथा कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

हरित क्रान्ति ने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि अंग्रेजी शासन के विरुद्ध क्रान्तिकारियों एवं स्वतन्त्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए लम्बा संघर्ष किया। तत्पश्चात 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली। आजादी के उपरान्त लोकतान्त्रिक गणतन्त्र की स्थापना की गयी। देशवासियों को समता, स्वतन्त्रता शोषण के विरुद्ध अधिकार आदि प्रदान किये गये, जो उस समय उपलब्ध नहीं थे। आजादी का लक्ष्य राष्ट्र निर्माण था। हमने आजादी के पश्चात् कृषि, विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में काफी विकास किया। प्रो0 सिंह ने कहा कि आज हर व्यक्ति को अपना दायित्व ईमानदारी से निभाना है, जिससे देश का चौमुखी विकास हो सके।

कुलपति प्रो0 सिंह ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि शिक्षा के द्वारा ही राष्ट्र का निर्माण हो सकता है। हरित क्रान्ति ने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जिसके कारण भुखमरी जैसी समस्या का समाधान हो सका। वर्तमान में देश कुपोषण जैसी भयानक समस्या से लड़ रहा है जिसके निदान हेतु सभी को मिलकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए सभी को संकल्प लेना होगा। विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में सभी का योगदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों से जुड़ी समस्त समस्याओं के समाधान हेतु अनिवार्य कदम उठाये जायेंगे। उन्होंने अपने भाषण के माध्यम से शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप लोगों का प्रयास सराहनीय है निकट भविष्य में भी आप लोग इसी तरह पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेंगे। आप लोगों के इस प्रयास से निःसंदेह यह विश्वविद्यालय सर्वोत्तम विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल होगा। अन्त में मा0 कुलपति जी ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निकट भविष्य में इसी प्रकार कार्य करने हेतु अभिप्रेरित किया।

विश्वविद्यालय परिवार के साथ मा0 कुलपति जी।

विश्वविद्यालय में दिनांक 15–08–2015 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया।

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते हुए मा0 कुलपति जी एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी/कर्मचारीगण।

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए मा0 कुलपति जी।

सुशासन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
संविधान देश का धर्मग्रन्थ– राज्यपाल

दिनाँक 15 एवं 16 सितम्बर, 2015 को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय बरेली के तत्वाधान में आईवीआरआई के केन्द्रीय सभागार में ' सुशासन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अथिति माननीय श्री राम नाईक जी (श्री राज्यपाल / कुलाधिपति, उ.प्र.), विशिष्ट अतिथि माननीय श्री टी.एन.चतुर्वेदी (पूर्व राज्यपाल, कर्नाटक), बीजवक्ता डॉ. सुभाष कश्यप (पूर्व महासचिव लोकसभा) रहे तथा अध्यक्षता प्रो.एम.पी.दुबे द्वारा की गयी। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. मिथिलेश मिश्रा, समन्वयक, क्षेत्रीय केन्द्र बरेली रहीं।

सुशासन पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठि का ई–सोविनियर विमोचन करते मुख्य अथिति माननीय श्री राम नाईक जी (श्री राज्यपाल / कुलाधिपति, उ.प्र.), विशिष्ट अतिथि माननीय श्री टी.एन.चतुर्वेदी (पूर्व राज्यपाल, कर्नाटक), बीजवक्ता डॉ. सुभाष कश्यप (पूर्व महासचिव लोकसभा) तथा कुलपति प्रो.एम.पी.दुबे

संगोष्ठि के दौरान माननीय श्री राम नाईक जी माननीय श्री टी.एन.चतुर्वेदी बीजवक्ता डॉ. सुभाष कश्यप

संगोष्ठि के दौरान माननीय श्री राम नाईक जी को स्मृति चिह्न प्रदान करते कुलपति प्रो.एम.पी. दुबे व अन्य

संगोष्ठि के दौरान माननीय श्री राम नाईक जी का स्वागत एवं अभिवादन करते कुलपति प्रो.एम.पी. दुबे व अन्य

संगोष्ठि को सबोधित करते कुलाधिपति माननीय श्री राम नाईक जी

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में दिनांक 16 मई 2017 को माननीय कुलाधिपति जी ने सरस्वती परिसर स्थित वाग्डयलक्ष्य ग्रन्थालय में आडियो विजुअल लैब का उद्घाटन तथा स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत गंगा परिसर स्थित नवनिर्मित प्रसाधन भवन का उद्घाटन तथा सरस्वती परिसर में नये प्रसाधन भवन के शिलान्यास किया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा पं0 दीन दयाल उपाध्याय स्मृति व्याख्यानमाला के प्रथम पुष्प का आयोजन भी किया गया। व्याख्यानमाला के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीयुत् रामनाईक, माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो0 अशोक गजानन मोडक, नेशनल रिसर्च प्रोफेसर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं विशिष्ट अतिथि महामहोपाध्याय प्रो0 राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी रहे। व्याख्यानमाला के आयोजन सचिव डॉ. जी.के. द्विवेदी एवं संयोजक डॉ. श्रुति रहीं।

सरस्वती परिसर स्थित वाग्डयलक्ष्य ग्रन्थालय में आडियो विजुअल लैब का उद्घाटन तथा स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत गंगा परिसर स्थित नवनिर्मित प्रसाधन भवन का उद्घाटन तथा सरस्वती परिसर में नये प्रसाधन भवन के शिलान्यास करते हुए श्रीयुत् श्री रामनाईक जी माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, साथ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० एम०पी० दुबे जी।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए एवं पं० दीन दयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए माननीय अतिथि एवं श्रीयुत् श्री रामनाईक जी माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए कुलपति प्रो० एम०पी० दुबे जी

'कुम्भ : राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन का पर्व' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 17 जनवरी, 2019 को कुम्भ मेला क्षेत्र, प्रयागराज में दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार द्वारा 'कुम्भ : राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन का पर्व' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह माननीय भैया जी जोशी जी रहे तथा व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता मानव सेवा उत्थान समिति के अध्यक्ष पूज्य सतपाल जी महराज ने की। कार्यक्रम के संयोजक उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह रहे। निवेदक आचार्य शान्तनु जी महराज, श्री महेश चतुर्वेदी एवं श्री संजय चतुर्वेदी जी रहे। कार्यक्रम में भारी संख्या में प्रतिभागी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मंचासीन माननीय अतिथिगण

'कुम्भ : राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन का पर्व' पर आयोजित व्याख्यान में विचार व्यक्त करते उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एन. सिंह एवं मंचासीन माननीय सुरेश भैयाजी जोशी, श्रीयुत सतपालमहाराज, दिव्य प्रेम सेवा मिशन के पथ प्रदर्शक माननीय आशीष जी, शान्तनु महाराज एवं गणमान्य अतिथि।

व्यक्ति को परिस्कृत राष्ट्रसेवा के लिए तैयार करता है कुम्भ: कुलपति

कुम्भ नगर प्रयागराज दिव्य प्रेम सेवा मिशन के एक कार्यक्रम में शिरकत कर रहे राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि कुम्भ आया व्यक्ति परिष्कृत होकर लौटता है। उसमें सकारात्मकता होती है। वह राष्ट्रहित में अच्छे कार्य करने में सक्षम हो जाता है। उन्होंने कहा कि कुसंस्कार रूपी विकार व्यक्ति के विकास में ही नहीं बल्कि राष्ट्र के विकास में भी बाधक होता है। इसलिए उसके व्यक्तित्व का परिष्कार जरूरी होता है और यह कुम्भ में आने वाले व्यक्ति में हो जाता है। उन्होंने इसके लिए अनेक उदाहरण भी दिया। उन्होंने बताया कि आग जलाने वाले को अंगारों पर से राख उड़ाते रहने की विवशता होती है। अगर वह विकार रूपी राख को समय रहते नहीं उड़ाता है तो आग बुझ जाती है। कुम्भ में संतों की संगत में आए व्यक्ति को यही विकार दूर करने का मंत्र

5. "संस्कृत–वाङ्मय में वैज्ञानिक संचेतना" राष्ट्रीय संगोष्ठी :–

दिनांक 17 मार्च, 2010 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में "संस्कृत–वाङ्मय में वैज्ञानिक संचेतना" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि अतरिक्ष वैज्ञानिक एवं प्रधानमंत्री के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार प्रो0 ओम प्रकाश पाण्डेय जी रहे। विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हरिदत्त शर्मा जी रहे एवं अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 नागेश्वर नाथ सिंह जी ने की। उद्घाटन सत्र का संचालन आयोजन सचिव डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने किया। अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो0 पाण्डेय ने डॉ0 अनिता सिंह गुप्ता कृत पुस्तक विश्वभारती का विमोचन किया। विभिन्न तकनीकी सत्रों में प्रो0 ओ0पी0 पाण्डेय, प्रो0 मृदुला त्रिपाठी, प्रो0 ललित त्रिपाठी, डॉ0 राम विनय सिंह, डॉ0 अरविन्द मिश्र, डॉ0 राजेन्द्र त्रिपाठी 'रसराज' आदि ने शोध परक व्याख्यान दिये। सेमिनार में देशभर से आए प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। समापन सत्र की मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कला संकाय की अधिष्ठाता प्रो0 मृदुला त्रिपाठी रहीं तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह ने की। सेमिनार की रिपोर्ट आयोजन सचिव डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ0 स्मिता अग्रवाल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने किया।

प्रोफेसर हरिदत्त शर्मा

विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हरिदत्त शर्मा ने क... कि संस्कृत संसार की सर्वोत्तम वैज्ञानिक भाषा है। इसलिए पूरे विश्व के ... वैज्ञानिकों ने संस्कृत के महत्व को स्वीकार किया है और संस्कृत वाङ्मय ... व्यापक अध्ययन करके भारतीय मनीषा के महत्वपूर्ण ज्ञान पर शोध कार्य ... हैं। प्रो0 शर्मा ने कहा कि संस्कृत वाङ्मय में गणित आयुर्वेद, ज्योतिष ... भूगोल, खगोल विज्ञान, प्राणि विज्ञान, वास्तुविज्ञान, वनस्पति वि... अभियांत्रिकी, वृष्टि विज्ञान, सैन्य विज्ञान तथा विमान विज्ञान आदि की ... का व्यापक भंडार है। उन्होंने कहा कि भारत की मूल चिकित्सा प... आयुर्विज्ञान के सभी महत्वपूर्ण ग्रन्थ मूलतः संस्कृत में ही हैं।

3. सामाजिक सरोकार्य से सम्बन्धित गतिविधियॉ

(क.) स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन :-

इलाहाबाद। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, में 17 अगस्त, 2017 को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की तरफ से आयोजित रक्तदान शिविर में लोगों ने बढ़चढ़ कर भागीदारी की। रक्तदान शिविर में डॉ0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, डॉ0 संतोषा कुमार, डॉ0 विनोद कुमार गुप्त, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, डॉ0 स्मिता अग्रवाल, डॉ0 अतुल कुमार मिश्र आदि शिक्षकों एवं रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। कुलसचिव प्रो0 गिरिजाशकर शुक्ल ने रक्तदान शिविर में व्यापक भागीदारी पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वैच्छिक रक्तदान करते आर.ए.एफ. के जवान एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक

6. श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

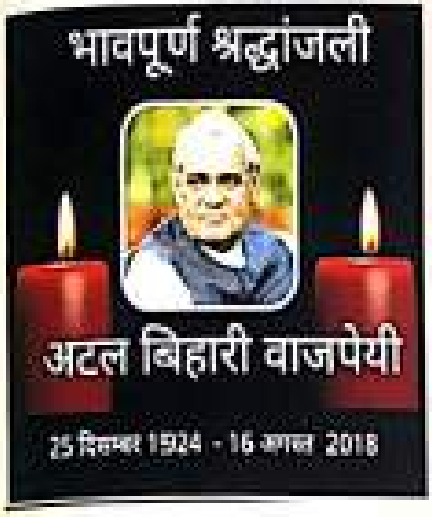

अटल जी को मुक्त विश्वविद्यालय ने दी श्रद्धांजलि

देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 17 अगस्त, 2018 को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने अटल जी के चित्र पर पुष्पार्पण करके उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रो0 सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के निधन से देश को अपूर्णीय क्षति हुई है। वे देश के महान चिंतक थे। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में कुलसचिव डॉ0 ए0के0 गुप्ता, निदेशकगण प्रो0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 पी.पी. दुबे, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, डॉ0 टी0एन0 दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारीगण रहे।

शोक प्रस्ताव पढ़ते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

अत्यन्त दुःख के साथ यह सूचित करना पड़ रहा है कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी का कल दिनांक 16 अगस्त, 2018 को सायं 05 बजकर 05 मिनट पर निधन हो गया। उनके निधन से हमारा विश्वविद्यालय अति मर्माहत है। दुःख की इस घड़ी में परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि उनकी मृत आत्मा को शान्ति प्रदान करें तथा उनके शुभेच्छुओं एवं पारिवारिकजनों को इस दुःख को सहन करने का सम्बल प्रदान करें।

—विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य

श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं कुलसचिव डॉ0 ए0के0 गुप्ता।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'लोकतंत्र एवं राष्ट्र निर्माण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन दिनांक 10 नवम्बर 2016 को किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 अरुण चतुर्वेदी, पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर राजस्थान एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 कुलपति, प्रो0 एम0 पी0 दुबे ने की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा रहे।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई असि0 प्रोफेसर डॉ0 साधना श्रीवास्तव तथा पुष्प गुच्छ देकर मुख्य वक्ता जी का स्वागत करती हुई असि0 प्रोफेसर डॉ0 रुचि बाजपेई एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मा0 कुलपति जी को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करती हुई असि0 प्रोफेसर डॉ0 दीप्तियोगिता श्रीवास्तव।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 13 नवम्बर, 2016 को आयोजित किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ0 पृथ्वीश नाग, कुलपति, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी रहे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 एम0 पी0 दुबे, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 सतीश जैसल, असि. प्रोफेसर पत्रकारिता, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं मंच पर बैठे हुए मा0 अतिथिगण तथा सभागार में उपस्थित अध्ययन केन्द्र समन्वयक व विश्वविद्यालय के अधिकारीगण एवं निदेशकगण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 17 नवम्बर, 2016 को 'अंतर्राष्ट्रीय दर्शन दिवस' के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 ओमजी गुप्ता एवं मंचासीन कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 पी0 पी0 दुबे एवं मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव रहे। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. आर.पी.एस यादव तथा आयोजन सचिव के रूप में डॉ. अतुल कुमार मिश्र ने प्रमुख भूमिका निभाई।

अतिथियों का स्वागत करते हुए निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, कार्यक्रम के बारे बताते हुए डॉ0 अतुल मिश्रा तथा कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में 18 मार्च 2017 को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे सहित शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक दूसरे को अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, कुलसचिव, डॉ0 आर0के0 पाण्डेय, निदेशक प्रबन्धन डॉ0 ओमजी गुप्ता, निदेशक कृषि डॉ0 पी0पी0 दुबे, निदेशक मानविकी डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, वित्त अधिकारी श्री एस0पी0 सिंह, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, श्री परमानन्द उपाध्याय आदि ने होली गीतों की संगीतमय प्रस्तुति की।

होली मिलन समारोह की झलकियां

देश में 20 लाख विशेष शिक्षकों की आवश्यकता-आयुक्त दिव्यांगजन दिव्यांग जनों के विकास के लिए जनजागरण की आवश्यकता- कुलपति

मुविवि में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम पर राष्ट्रीय सम्मेलन

मंचासीन माननीय अतिथि

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शिक्षा विद्यासाखा के तत्वावधान में दिनांक 19 जनवरी, 2019 को 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम–2016 क्रियान्वयन के मुद्दे एवं चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि डॉ0 कमलेश कुमार पाण्डेय, आयुक्त दिव्यांग जन तथा अध्यक्ष, भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली रहे तथा राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

8. रिसर्च मेथोडालॉजी पर साप्ताहिक कार्यशाला :–

दिनांक 19 मार्च, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में "नेशनल वर्कशॉप कम ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन रिसर्च मेथोडालॉजी : डेटा एनालिसिस विथ आर एण्ड रिपोर्ट राइटिंग बाई लेटेक्स" विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गयी। सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 के0बी0 पाण्डेय जी रहे एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

प्रारम्भ में कार्यशाला के बारे में विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। विश्वविद्यालय के बारे में कार्यशाला के संयोजक डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी ने बताया। उद्घाटन सत्र का संचालन आयोजन सचिव डॉ0 श्रुति एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 जी0एस0 शुक्ल ने दिया।

सात दिवसीय कार्यशाला के प्रथम दिन विभिन्न तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञों में प्रो0 ए0आर0 सिद्दीकी, भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ0 कुणाल केसरी, गोविन्द वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, झूंसी, डॉ0 प्रमेन्द्र सिंह पुण्डीर, सांख्यिकी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ0 अशोक कुमार मौर्य सांख्यिकी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ0 ए0के0 चतुर्वेदी गणित विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, डॉ0 श्रुति एवं मनोज कुमार बलवन्त ने प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

रूचि के अनुसार करें शोध विषय का चुनाव–कुलपति

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि व्यक्ति को अपनी रूचि के अनुसार शोध विषय का चुनाव करना चाहिए और शोध के उद्देश्य, विषय क्षेत्र आयाम, प्रविधियाँ तथा विश्लेषण आदि सभी का निर्धारण और योजना इस ढंग से करनी चाहिए कि उसका लाभ जनसामान्य को मिल सके। उन्होंने कहा कि हमें अपनी दृष्टि व्यापक, समाजोन्मुखी और यथार्थवादी रखनी चाहिए। प्रो0 सिंह ने कहा कि हमारा कैरियर केवल हमारे परिवार के लिए ही नहीं हमारे देश और समाज के लिए काम में आने वाला होना चाहिए, केवल हमारी निज की अकादमिक उन्नति और अभिवृद्धि की दृष्टि एकांगी और संकीर्ण है। उन्होंने समस्या केन्द्रित शोध के अध्ययन को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। शोध कार्य का योगदान ज्ञान संवर्द्धन के लिए होना चाहिए।

दिनाँक 19 नवम्बर 2015 को अन्तर्राष्ट्रीय **दर्शन दिवस** के अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में **"भागवत गीता में अनासक्ति योग"** विषय पर प्रो. हरिशंकर उपाध्याय, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

"भागवत गीता में अनासक्ति योग" विषय पर व्याख्यान देते हुए प्रो हरिशंकर उपाध्याय

दिनाँक 19 अप्रैल, 2016 को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में क्षेत्रीय केन्द्र, इलाहाबाद एवं आवासीय भवन का भूमि पूजन तथा शिलान्यास एवं लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार (सरस्वती परिसर) में "विश्वविद्यालय प्रबन्धतंत्र : डिजिटलीकरण" विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश माननीय श्री राम नाईक द्वारा किया गया। राज्यपाल ने सेमिनार के ई–सोविनियर, वैचारिकी, स्मार्ट सिटीज–ट्रांसफार्मिंग इंडिया तथा क्लीननेस, हाईजीन एंड सैनिटेशन एजूकेशन का विमोचन किया। विभिन्न सत्रों को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के कुलपति प्रो.पृथ्वीश नाग, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एनसी गौतम, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आर.पी. मिश्रा, रुहेलखण्ड के पूर्व कुलपति प्रो. ओम प्रकाश, पूर्व उच्च शिक्षामंत्री डॉ. नरेन्द्र सिंह गौर, कार्यपरिषद के मा0 सदस्य डॉ. बीबी अग्रवाल, संरक्षक, एन.आई.सी.ई.आर, प्रो0 पी. आर. त्रिवेदी आदि ने विचार रखें।

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृक्षारोपण करते हुए माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश।

दिनांक 20 जुलाई, 2016 को ''भारतीय संस्कृति के प्रेरक प्रसंग'' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. एस.एन. कपूर रहे तथा अध्यक्षता मा. कुलपति प्रो. एम.पी.दुबे द्वारा की गयी।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए मुख्य वक्ता प्रो. एस.एन. कपूर साथ में मा. कुलपति प्रो. एम.पी.दुबे एवं याख्यान विषयक परिचय एवं अतिथियों का परिचय देते हुए डॉ. सन्तोषा कुमार एवं बैठे हुए अतिथिगण।

दिनांक 30 जुलाई 2016 को बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी में कुलपति सम्मेलन आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता मा0 कुलाधिपति/श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश द्वारा की गयी। इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम.पी. दुबे ने प्रतिभाग किया।

मुख्य अतिथि माo कुलपति प्रोo राजेन्द्र प्रसाद जी को माला पहनाकर उनका स्वागत करते हुए माo कुलपति प्रोo एम.पी. दुबे जी

दिनाँक 20 सितम्बर 2016 को आडिटोरियम का भूमिपूजन तथा शिलान्यास एवं लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'दूरस्थ शिक्षा : युवा शक्ति और समाज' विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद–सह–पुराछात्र सम्मेलन, का उद्घाटन मा. कुलाधिपति/श्री राज्यपाल श्रीयुत् राम नाईक द्वारा किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. श्रुति, आयोजन सचिव डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव एवं परिसंवाद निदेशक डॉ. संतोषा कुमार रहें।

विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर में प्रेक्षागृह का भूमि पूजन एवं शिलान्यास करते हुए माननीय श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री रामनाईक जी तथा साथ में कुलपति प्रो० एम० पी० दुबे जी।

इस अवसर पर कुलाधिपति श्री रामनाईक जी ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश बनने जा रहा है। यह उपलब्धि 2020 तक हमें हासिल होगी। ऐसे में युवाओं को अपनी शक्ति का प्रयोग सही दिशा में करना होगा। श्री नाईक ने कहा कि पुरा छात्रों का मिलना युवा शक्ति के एकत्रीकरण की दिशा में अहम कड़ी है। साथ ही उन्होंने मोबाइल एप का उद्घाटन करते हुए कहा कि दूरस्थ शिक्षा और तकनीक का संयोग निश्चय ही भविष्य में शैक्षिक क्रान्ति लायेगा, उन्होंने दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के नए आयामों के लिए विशेष पहल कर रहा है। राज्यपाल श्री नाईक जी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में नई तकनीक के माध्यम से निश्चय ही युवाओं को और प्रदेश के सभी लोगों को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में बनने जा रहे एक हजार व्यक्तियों की क्षमता के प्रेक्षागृह का लाभ विश्वविद्यालय के साथ ही सभी लोगों को मिलेगा।

वृक्षा रोपण करते हुए माननीय पण्डित श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी श्री राज्यपाल, पश्चिम बंगाल साथ में कुलपति जी।

दिनाँक 21 जून 2016 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि **श्री सुधीर नारायण, न्यायमूर्ति (अवकाश प्राप्त) उच्च न्यायालय, इलाहाबाद**, मुख्य वक्ता **डॉ. नरेन्द्र सिंह गौर पूर्व शिक्षा मंत्री, उ.प्र. सरकार** एवं **प्रो. आर. पी. मिश्र, पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद** रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता **प्रो. एम.पी. दुबे कुलपति उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद** ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के **सरस्वती परिसर** में दिनाँक 20 जून 2016 को **"योग और स्वास्थ्य"** विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल एवं मंच पर बैठे हुए मा0 अतिथिगण

(घ.) योग दिवस :-

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय मे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून, 2018 को योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर योग परामर्शदाता डॉ0 अमित कुमार सिंह ने योग की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये योगासन क्रिया को संतुलित जीवन शैली का आधार बताया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह और उनकी धर्मपत्नी डॉ0 सुनीता सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'योग विज्ञान एवं मानव स्वास्थ्य' का विमोचन किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने इस अवसर पर कहा कि योग ही एक ऐसा मार्ग है जिससे तनावमुक्त, पीड़ामुक्त, बीमारीमुक्त, स्वस्थ जीवन प्राप्त किया जा सकता है। वैज्ञानिकों और चिकित्सा शास्त्रियों ने भी एक स्वर से स्वीकार किया है कि आज मानव स्वास्थ्य के लिए योग का अनुशीलन आवश्यक ही नहीं बल्कि अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि योग शिक्षा हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। इसीलिए केन्द्र सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था मे योग विज्ञान को प्रमुखता से सम्मिलित करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रो0 सिंह ने आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि योग के अभ्यास सत्रा निरन्तर चलाये जाये। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह की धर्मपत्नी डॉ0 सुनीता सिंह डॉ0 ओम जी गुप्ता, डॉ0 पी0पी0 दुबे, डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी, डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, डॉ0 श्रुति, डॉ0 अभिषेक सिह, डॉ0 अमित कुमार सिह आदि उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर योग किया करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह और उनकी धर्मपत्नी डॉ0 सुनीता सिंह एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारी व अधिकारी

दिनांक 21 जून 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर " योग विज्ञान एवं मानव स्वास्थ्य"
पुस्तक का विमोचन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं प्रो0 सुनीता सिंह जी।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस - 21 जून, 2019

योग: कर्मसु कौशलम्

स्थान:

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

Yoga for Harmony & Peace

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

मुविवि में विशेष योगाभ्यास शिविर का आयोजन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिनांक 21 जून, 2019 को प्रात: 6 से 7.30 बजे तक गंगा परिसर में विशेष योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर योग परामर्शदाता डॉ0 अमित कुमार सिंह ने योग की महत्ता को प्रतिपादित करते हुये योगासन क्रिया को संतुलित जीवन शैली का आधार

दिनाँक 21 नवम्बर 2015 को 'भारतीय **संविधान एवं सामाजिक न्याय**' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निर्णायक मण्डल में डॉ. श्यामजी गुप्ता, पूर्व प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय, डॉ. जे.एस.सिंह एसो. प्रोफेसर विधि विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद तथा डॉ संघसेन सिंह, एसो. प्रोफेसर राजनीतिशास्त्र, श्यामा प्रसाद मुखर्जी डिग्री कालेज, फाफामऊ, डॉ. आर.पी.एस. यादव प्रभारी मानविकी विद्याशाखा थे।

'भारतीय संविधान एवं सामाजिक न्याय' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए छात्र/छात्राएं एवं मंच पर बैठे हुए अतिथिगण।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में दिनांक 24–26 मार्च 2017 तक **''डॉ0 राम मनोहर लोहिया का दर्शन''** विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री रामनाईक, विशिष्ट अतिथि संविधान विशेषज्ञ एवं लोकसभा के पूर्व महासचिव पद्मभूषण डॉ0 सुभाष सी. कश्यप तथा कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे, आई0सी0पी0आर0 के अध्यक्ष प्रो0 एस.आर. भट्ट जी रहे। संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 गोपीनाथ जी, आयोजन सचिव डॉ0 जी0के0 द्विवेदी तथा सह–आयोजन सचिव संयोजक डॉ0 श्रुति एवं डॉ0 अतुल मिश्रा रहे। इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 के0बी0 पाण्डेय, प्रो0 गिरिराज किशोर, प्रो0 आनन्द कुमार, प्रो0 स्मिथ, डॉ0 सुधीर सिंह, प्रो0 महेश विक्रम सिंह, प्रो0 कृष्ण गोपाल, प्रो0 सुब्रत मुखर्जी, डॉ0 प्रभाकर आदि उपस्थित रहे। देश भर के कई राज्यों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान करते हुए कुलपति प्रो0 एम.पी. दुबे।

मतदाता दिवस – उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित झण्डारोहण स्थल पर दिनांक 25 जनवरी, 2018 को पूर्वाह्न 11.00 बजे राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी के मार्गदर्शन में मतदाता शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो0 (डॉ0) जी0एस0 शुक्ल ने बताया कि इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आठवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों, अधिकारियों, परामर्शदाताओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलायी गयी। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का पूरे उत्साह के साथ आयोजन वर्ष 2011 से किया जा रहा है।

Scanned by CamScanner

स्वच्छता अभियान के तहत सफाई करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी साथ में निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो० जी०एस० खुल्लर एवं कुलसचिव डॉ० अरुण कुमार गुप्ता

10. स्वच्छता अभियान का आयोजन

4. "भारत और यूनान" विषय पर व्याख्यान :-

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में 26 नवम्बर 2017 को दोपहर एक बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में "भारत और यूनान" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया है। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रो0 उदय प्रकाश अरोड़ा जे0एन0यू0 नई दिल्ली रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति जी ने की।

कार्यक्रम में अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं विषय प्रवर्तन समाज विज्ञान विद्याशाखा के असिस्टेन्ट प्रोफेसर सुनील कुमार ने किया। संचालनएवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव ने किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक/प्रभारी, उपकुलसचिव, एवं बड़ी संख्या में शिक्षार्थी आदि मौजूद थे।

यूनानी सभ्यता पूर्वी सभ्यता की देन है न कि पश्चिमी सभ्यता –प्रो0 अरोड़ा

प्रो0 उदय प्रकाश अरोड़ा

व्याख्यान के मुख्य वक्ता जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के ग्रीक अन्तर्राष्ट्रीय चेयरपीठ के संस्थापक प्रो0 उदय प्रकाश अरोड़ा ने कहा कि आधुनिक यूरोप का उदय पुनर्जागरण के कारण हुआ है। यूनानी सभ्यता को पूर्वी सभ्यता की देन बताया है न कि पश्चिमी सभ्यता की। भारत एवं यूनान की संस्कृतियों की समानताओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए भारतीय दर्शन एवं यूनानी दर्शन के अन्तर को स्पष्ट रूप से बताया। पुनर्जन्म को कर्म आधारित होने का भारत एवं यूनान में समान होना बताया। इसके साथ ही उन्होंने अनेक यूनानी दार्शनिकों, चिन्तकों का भी उल्लेख किया जिन्होंने भारत के विषय में लिखा है। उन्होंने इतिहास पिता हेरोडोटस के भारत के सन्दर्भ में दिये गये विवरण का भी उल्लेख किया।

मुविवि में अटल बिहारी बाजपेयी जयन्ती पर विविध आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 25 दिसम्बर, 2018 को भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की 95वीं जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी रहे तथा समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी एवं माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

9. मताधिकार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित झण्डारोहण स्थल पर दिनांक 25 जनवरी, 2019 को पूर्वाह्न 11.00 बजे राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर माo कुलपति प्रोo कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में मतदाता शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉo अरूण कुमार गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों, अधिकारियों, परामर्शदाताओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मतदाता शपथ दिलायी गयी। उन्होंने बताया कि 25 जनवरी को पूरे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का पूरे उत्साह के साथ आयोजन वर्ष 2011 से किया जा रहा है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर माo कुलपति प्रोo कामेश्वर नाथ सिंह एवं विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, अधिकारी, परामर्शदाता, शिक्षक एवं कर्मचारी मतदाता शपथ लेते हुए।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 25 अप्रैल 2017 को उ0प्र0 अन्तर्विश्वविद्यालय यूथ फेस्टिवल (युवा संगम) आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 ललन जी सिंह एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 श्रुति, आयोजन सचिव डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी, सह–संयोजक, डॉ0 अतुल मिश्रा एवं सह–आयोजन सचिव डॉ0 अलका वर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। युवा संगम का संचालन एवं अतिथियों का स्वागत संयोजक डॉ0 श्रुति ने किया। युवा संगम एवं विश्वविद्यालय के बारे में आयोजन सचिव डॉ0 जी0के0 द्विवेदी ने जानकारी दी तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, प्रभारी निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा ने किया। इस अवसर पर यूथ फेस्टिवल में रंगोली (अल्पना), कोलाज, मेंहदी, सोलोसांग (भक्ति, देश भक्ति एवं प्रेरणादायी) प्लेइंग म्यूजिक(म्यूजिकल इन्स्ट्रूमेन्ट्स), शार्ट प्ले फैंसी ड्रेस (राष्ट्रीय एकता), स्लोगन राइटिंग, स्पॉट पेंटिंग, निबन्ध लेखन तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें गांधी शान्ति निकेतन डिग्री कालेज, इलाहाबाद, ज्ञानोदय आश्रम पी0जी0 कालेज, अम्बेडकरनगर, विद्यावती देवी महाविद्यालय, देवरिया, मां कुकाली देवी डिग्री कालेज, देवरिया, बुद्धा पी0जी0 कालेज, कुशीनगर, रामपाल मौर्या पी0जी0 कालेज, फतेहपुर, कृषक पी0जी0 कालेज मऊ, एस0पी0एस0 स्मारक पी0जी0 कालेज, अम्बेडकरनगर, काशी विद्यापीठ वाराणसी, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, शुआट्स, नैनी, इलाहाबाद, पी0जी0 कालेज पट्टी, प्रतापगढ़ उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डी0पी0एस0 डिग्री कालेज, बरना, प्रतापगढ़ सुखदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय कुशीनगर, श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज, बलिया, महात्मा बुद्ध महाविद्यालय, कौशाम्बी, श्री रतिराम महाविद्यालय, मथुरा, डी0एस0एन0 पी0जी0कालेज, उन्नाव तथा पूर्वांचल पी0जी0कालेज, आजमगढ़ के लगभग 120 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

युवा संगम की एक झलक

युवा संगम में आयोजित रंगोली एवं मेंहदी प्रतियोगिता की एक झलक

दिनाँक 26 जनवरी, 2016 को विश्वविद्यालय में गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। जिसमें माननीय कुलपति एवं अधिकारी/अध्यापकगण/कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

गणतन्त्र दिवस समारोह के अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए माo कुलपति प्रोo एसo पीo दुबे जी

दिनांक 26 जनवरी, 2017 को ध्वजा रोहण कर गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया एवं विश्वविद्यालय परिवार का ग्रुप फोटो लिया गया।

विश्वविद्यालय परिवार

गणतन्त्र दिवस समारोह

दिनांक 26 जनवरी, 2019 को विश्वविद्यालय में गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। जिसमें माननीय कुलपति जी, अधिकारी, निदेशक, अध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

लोकतंत्र देश की सबसे बड़ी उपलब्धि– प्रो. के.एन. सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2019 को कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आजादी के बाद इस देश की सबसे बड़ी उपलब्धि लोकतंत्र है। लोकतंत्र के सामने आज जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद तथा सम्प्रदायवाद के खतरे मंडरा रहे हैं। इन सबसे दूर रहते हुए हमें स्वस्थ लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र को और मजबूत करने की आवश्यकता है। स्वस्थ लोकतंत्र से ही राष्ट्र के स्वस्थ होने की कामना कर सकते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं परामर्शदाता आदि उपस्थित रहे।

दिनांक 26 नवम्बर 2015 को "**Indian Constitution and Social Justice** " विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री रविन्द्र सिंह एवं विशिष्ट अतिथि श्री विनोद चन्द्र दुबे तथा अध्यक्षता प्रो. आर.पी.मिश्र, पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा की गयी।

अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए माए कुलपति जी एवं कुलति जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए विश्वविद्यालय के निदेशक, डॉ आर पीएस यादव, डॉ एस.पी गुप्ता जी।

12 त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यशाला :–

दिनांक 25 मई, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षा विद्याशाखा की तरफ से आयोजित त्रिदिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी एवं मुख्य वक्ता डॉ0 शकुन्तला मिश्र राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के स्पेशल एजुकेशन संकाय के संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो0 रजनी रंजन सिंह जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रामजन्म मौर्य ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 आर0पी0 सिंह यादव ने किया। कार्यक्रम की विषयवस्तु के बारे में डॉ0 नीता मिश्रा तथा अतिथियों का स्वागत प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने किया।

अन्य तकनीकी सत्रों में प्रो0 आर0आर0 सिंह तथा प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय ने व्याख्यान दिए। त्रिदिवसीय सतत् पुनर्वास शिक्षा कार्यशाला का समापन 27 मई को होगा। कार्यक्रम में 30 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथि।

प्रो0 रजनी रंजन सिंह

मुख्य वक्ता डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ के स्पेशल एजुकेशन संकाय के संकायाध्यक्ष तथा विभागाध्यक्ष प्रो0 रजनी रंजन सिंह ने कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाना बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य है। स्पेशल एजुकेशन के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे शिक्षकों को आत्म साक्षात्कार की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने सतत् पुनर्वास कार्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्ता को इंगित करते हुए शिक्षा व पुनर्वास में तकनीकी एवं नवाचारों के प्रयोग व उसके विभिन्न प्रकार के प्रतिमानों (मॉडल्स) को स्पष्ट किया। प्रो0 सिंह ने कहा कि समावेशित समाज की परिकल्पना को समावेशी शिक्षा के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो० एस०पी० दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में यहां के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों का विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षा की स्थिति सुधारने में विश्वविद्यालय निरन्तर नये–नये कौशलयुक्त कार्यक्रम संचालित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी का कर्तव्य है कि विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में अपना भरपूर सहयोग प्रदान करें। हमें जो दायित्व सौंपे गये हैं उसका निष्ठापूर्वक निर्वहन करें तभी सच्चे अर्थों में हम संस्था के साथ न्याय कर सकेंगे। उन्होंने राष्ट्रसेवा में जुड़ने का आह्वान किया।

4. दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "पत्रकारिता के नये आयाम" विषय पर आयोजित :-

दिनांक 26 दिसम्बर 2017 को उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में मंगलवार को दो दिवसीय
राष्ट्रीय संगोष्ठी "पत्रकारिता के नये आयाम" विषय पर आयोजित की गयी। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता काशी
हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के पत्रकारिता विभाग के प्रोफेसर अनुराग दवे जी रहे। मुख्य अतिथि लोक सेवा
आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रो० कृष्ण बिहारी पाण्डया जी तथा अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व
कुलपति प्रो० आर०पी० मिश्र जी ने की। कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति जी रहे।
अतिथियों का स्वागत निदेशक मानविकी विद्याशाखा डॉ० आर०पी०एस० यादव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव
प्रो० (डॉ०) जी०एस० शुक्ल ने किया। संगोष्ठी के बारे में डॉ० सतीश चन्द जैसल तथा डॉ० साधना श्रीवास्तव ने
जानकारी दी। इस अवसर पर अतिथियों ने सेमिनार सारांशिका का विमोचन भी किया।
अन्य तकनीकी सत्रों में डॉ० रमा सिंह, डॉ० के०एस० सिंह, डॉ० धनंजय चोपड़ा, डॉ० धीरेन्द्र कुमार राय बी०एच०यू०,
डॉ० साधना श्रीवास्तव, डॉ० सतीश चन्द जैसल आदि ने विचार व्यक्त किए। राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन 27
दिसम्बर को होगा।

प्रोफेसर अनुराग दवे ने कहा कि आज पत्रकारिता शक्ति का केन्द्र बन गयी है। पत्रकारिता में तेजी से बदलाव आया है। 1991 में जिस तरह से उदारीकरण की ओर कदम बढ़ाये गए उससे अर्थव्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन आए। इसी दौर में भारतीय पत्रकारिता के अंदर व्यापक परिवर्तन महसूस किए गए और समाचार पत्रों के स्वरूप में भी परिवर्तन आए। प्रो० दवे ने कहा कि टेक्नोलाजी के आधार पर डिजिटल मीडिया ने पूरा परिदृश्य बदल दिया है। कारपोरेट घराने छोटे–छोटे पत्र समूहों का विलय कर रहे हैं। बाजार का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज समाचार पत्रों की रीडरशिप बढ़ रही है। अखबार का दायरा अब मेट्रोपोलिटन शहरों से छोटे शहरों एवं कस्बों की तरफ तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रो० कृष्ण बिहारी पाण्डया ने कहा कि पत्रकारिता का योगदान समाज निर्माण में सराहनीय है। यह केवल संचार तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता पर्यावरणीय मुद्दों के साथ–साथ मानवतावादी पक्षों को उजागर करे। प्रो० पाण्डेय ने कहा कि गांव का जीवन दर्शन एवं जीवन शैली को बचाये रखने के लिए चिन्तन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जो जटिलता जीवन की हो गयी है उससे जीना मुश्किल हो गया है। शहरों का जहर गांवों में चला गया है। उन्होंने कहा कि मीडिया ग्रामीण लोगों के सरल जीवन को समझे और उसे उजागर करे।

प्रो० कृष्ण बिहारी पाण्डया

अध्यक्षता करते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० आर०पी० मिश्र ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है इसलिए इसका प्रभाव जनमानस पर वृहत्तर है। समाज की अच्छाईयों को उजागर करने में मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है। मीडिया को सकारात्मक भूमिका का निष्पक्षता से पालन करना चाहिए जिससे समाज में खुशहाली आयेगी।

6.''हिन्दी सिनेमा में मूल्यों के बदलते प्रतिरूप'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 27 मार्च, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'हिन्दी सिनेमा में मूल्यों के बदलते प्रतिरूप' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं फिल्म महोत्सव का आयोजित की गयी। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री श्री श्रीहरि बोरीकर जी रहे। मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 देवकी नन्दन द्विवेदी जी एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

प्रारम्भ में सेमिनार का संचालन डॉ0 साधना मिश्र एवं अतिथियों का स्वागत निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने किया। डॉ0 जया मिश्रा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। आयोजक सचिव डॉ0 अतुल कुमार मिश्र ने सेमिनार की विषयवस्तु के बारे में विस्तार से जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने किया। इस अवसर पर फिल्म फेस्टिवल में ... एवं साक्षात्कार का प्रदर्शन किया गया। अतिथियों ने डॉ0 अतुल कुमार मिश्र की पुस्तक 'भूमण्डलीकरण का सांस्कृतिक दर्शन' का विमोचन किया। अन्य तकनीकी सत्रों में डॉ0 रामपूर्ति पाठक, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल आदि ने विचार व्यक्त किया। सेमिनार का समापन 28 मार्च को होगा।

मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 देवकी नन्दन द्विवेदी ने कहा कि बदलते हुए प्रतिमान और तकनीकी के अनुसार ही फिल्मों में मूल्य बोध और पात्रों के चरित्र चित्रण का प्रकार भी बदलता है। जो मूल्य वांछनीय हैं उनके साधने की खोज और उनकी समीक्षा भी आज दर्शन, सौन्दर्यशास्त्र, मूल्य चिंतन तक साहित्य समीक्षा के सुविचार्य विषय हैं। हर मूल्य प्रत्येक परिस्थिति में सही या गलत, सकारात्मक या नकारात्मक नहीं हो सकता। अतः हम कह सकते हैं कि मूल्य देश काल और परिस्थितिगत होते हैं। उन्होंने कहा कि मनोरंजन भी एक मूल्य है। माध्यम भिन्न हो सकते हैं। प्रत्येक मनुष्य अपने मनोरंजन के लिये किसी विशेष का चयन करता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन किस प्रकार के साधन द्वारा किया जा रहा है।

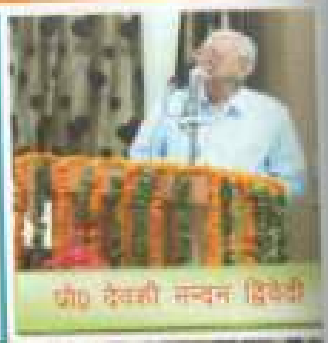

प्रो0 देवकी नन्दन द्विवेदी

फिल्मों में सामाजिक मूल्यों का संरक्षण जरूरी–बोरीकर

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्रीहरि बोरीकर ने कहा कि समाज को चलाने वाले नैतिकता आधारों को ही जीवन मूल्य कहा जाता है जो धर्म का पर्याय है। समाज का मूल्य चिन्तन अगर आदर्श है तो उससे बनने वाली फिल्मों में भी आदर्श जीवन–मूल्य अपने आप आ जाएंगे, इसलिए हमें पहले स्वयं अपने घर परिवार में मूल्य चेतना की उत्कृष्टता बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

श्री बोरीकर उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'हिन्दी सिनेमा में मूल्यों के बदलते प्रतिरूप' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं फिल्म महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज में यदि हम रहते हैं तो सामाजिक बन्धनों और सामाजिक मूल्यों का संरक्षण भी जरूरी है और फिल्मों में इस बात को प्रभावी महत्व दिया जाना चाहिए। 'बाजीराव मस्तानी' और 'पदमावत' जैसी फिल्मों में ऐतिहासिक महापुरुषों के जीवन को समाज के समक्ष रखा गया, इससे देश के उन वर्गों में अपनी संस्कृति के प्रति आस्था उत्पन्न होगी जिन तक हमारी विरासत के गरिमामय मूल्य नहीं पहुंच पा रहे हैं। श्री बोरीकर ने कहा कि ऐतिहासिक फिल्मों को आने देना चाहिए, लेकिन जब तक पीढ़ी दर पीढ़ी आदर्श महापुरुषों के जीवन मूल्यों को सामने नहीं लायेंगे तो हम अपने सांस्कृतिक धरोहर को अच्छे ढंग से संजोित नहीं रख सकते। आज समाज ...

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में **'लैंगिक भेदभाव तथा भारतीय कृषि क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक सहभागिता के आयाम''** विषय पर दिनांक 27–28 फरवरी 2017 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री गिरिधर मालवीय, मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय की गृहविज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो0 संगीता श्रीवास्तव एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रो0 एम0पी0 दुबे ने की। राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सेमिनार के संयोजक डॉ0 प्रेम प्रकाश दुबे, आयोजन सचिव डॉ0 श्रुति एवं डॉ0 गिरीश कुमार द्विवेदी, सह–आयोजन सचिव डॉ0 गौरव संकल्प एवं डॉ0 अलका वर्मा, सह– संयोजक डॉ0 डी0के0 गुप्ता एवं अतुल मिश्रा, सह–समन्वयक सुश्री मारिषा एवं श्री एम0 के0 बलवन्त थे साथ ही इस सेमिनार में पाँच राज्यों के प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

ई–सोविनिया का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति जी, मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं आयोजन समिति के सदस्यगण।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में दिनांक 29 मार्च 2017 को एक दिवसीय **"सोशल मीडिया के सामाजिक सरोकार"** विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि पांचजन्य के सम्पादक श्री जगदीश उपासने, मुख्य वक्ता मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता संस्थान, माहात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी के निदेशक प्रो ओम प्रकाश सिंह रहे एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो एम पी दुबे ने की। संगोष्ठी निदेशक डॉ. आर.पी.एस. यादव, संयोजक डॉ. सतीश चन्द्र जैसल तथा आयोजन सचिव डॉ. साधना श्रीवास्वत रहीं।

ई–सोविनियर का विमोचन करते हुए माo कुलपति जी, मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं आयोजन समिति के सदस्यगण।

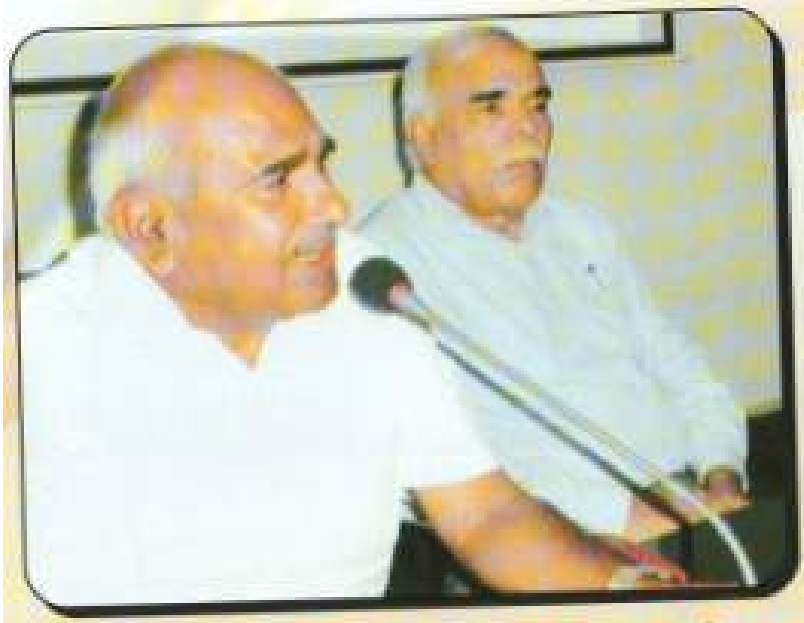

विपश्यना साधना के विशेषज्ञ डॉ. गोपाल शरण सिंह व्याख्यान देते हुए तथा
मा. कुलपति जी एवं साथ में बैठे अधिकारी/कुलसचिव जी।

(xi) दिनाँक 29 जुलाई, 2015 को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में "योग और अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण (पूर्व न्यायाधीश), माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद थे तथा अध्यक्षता प्रो.एम.पी.दुबे, कुलपति, उ.प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद द्वारा की गयी। इसका आयोजन डॉ. आर.पी.एस. यादव एवं डॉ. टी.एन. दूबे जी द्वारा किया गया।

"योग और अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति" विषय पर व्याख्यान देते हुए
मा0 न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी एवं मा. कुलपति प्रो.एम.पी.दुबे जी

दिनाँक 30 जनवरी 2016 को 'महात्मा गांधी का व्यावहारिक आर्दशवाद' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण, उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष प्रो. आर.पी.मिश्र तथा अन्य सत्रों में डॉ. सुरेन्द्र वर्मा, पूर्व कला संकायाध्यक्ष, देवी अहल्याबाई वि.वि. इन्दौर, म.प्र., डॉ. अनिल दत्त मिश्रा, निदेशक, गांधी संस्थान, राजघाट, नई दिल्ली ने विषय विशेषज्ञ के रुप में मंच को सुशोभित किया।

महात्मा गांधी का व्यावहारिक आर्दशवाद विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालन करते हुए डॉ0 एच0 सी0 जायसवाल एवं संचासीन माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण जी, प्रो. आर.पी.मिश्र एवं मा0 कुलपति जी।

शहीद दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का स्मरण दिनांक 30 जनवरी, 2017 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मु विश्वविद्यालय में मनाया गया। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को स्मरण किया गया महात्मा गाँधी के मूर्ति पर अतिथियों एवं संकाय सदस्यों ने श्रद्धासुमन अर्पित किये। प्रसिद्ध गांधीवादी चिन्तक प्रो0 आर0 मिश्र एवं मानविकी विद्याशाखा के निदेशक डॉ0 आर0पी0एस0 यादव ने इस अवसर पर कहा कि देश के लिए जान देने व समस्त देश भक्तों की याद में शहीद दिवस का आयोजन किया जाता है। आज के दिन हम यह प्रतिज्ञा लेंगे कि गांधी जी आदर्शों को मानते हुये सत्य एवं अहिंसा का मार्ग अपनाया करें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते अतिथिगण एवं मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित करते विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं अन्य सदस्य

सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती समारोह विश्वविद्यालय में मनाया गया। दिनाँक 30 अक्टूबर 2015 को विश्वविद्यालय के शैक्षिक परिसर में 'राष्ट्रीय एकता में सरदार बल्लभ भाई पटेल का योगदान' विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 32 छात्रों ने भाग लिया।

'राष्ट्रीय एकता में सरदार बल्लभ भाई पटेल का योगदान' विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए छात्र/छात्रायें।

मुख्य समारोह दिनाँक 31 अक्टूबर 2015 को मनाया गया जिसमें इलाहबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री ए.के.सिंह मुख्य अतिथि एवं मा. कुलपति जी की अध्यक्षता में समारोह हुआ। स्थान प्राप्त छात्रों को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट एवं शेष प्रत्येक छात्र को प्रतिभाग सर्टिफिकेट दिया गया।

मुख्य समारोह दिनाँक 31 अक्टूबर 2015 को मनाया गया जिसमें इलाहबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, श्री ए.के.सिंह मुख्य अतिथि एवं मा. कुलपति जी की अध्यक्षता में समारोह हुआ। स्थान प्राप्त छात्रों को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट एवं शेष प्रत्येक छात्र को प्रतिभाग सर्टिफिकेट दिया गया।

दिनांक 31.102015 को सरदार बल्लभ भाई पटेल जयन्ती समारोह के अवसर पर बोलते हुए श्री ए.के.सिंह मुख्य अतिथि, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मा. कुलपति जी एवं प्रतियोगी छात्र/छात्राओं को सम्मानित करते हुए श्री ए.के.सिंह जी।

विश्वविद्यालय में लौह पुरूश सरदार वल्लम भाई पटेल की जयन्ती राष्ट्रीय एकता दिवस पर दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 को विचार गोष्ठी का आयोजन

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रोफेसर एच0के0 शर्मा ने कहा कि आजादी के समय जब देश की परिस्थितियां विषम थी और शरणार्थियों की समस्यायें सामने खड़ी थी तभी सरदार पटेल को देश का उप प्रधानमत्री एवं गृहमत्री बनाया गया। सरदार पटेल के प्रयासों से ही भोपाल, इन्दौर, जूनागढ़ आदि की रियासतों ने विलयपत्र पर हस्ताक्षर किए। वर्तमान मे सरदार पटेल जैसा नेतृत्व मिलना मुश्किल है। सरदार पटेल आज होते तो कश्मीर की समस्या हल हो गयी होती।

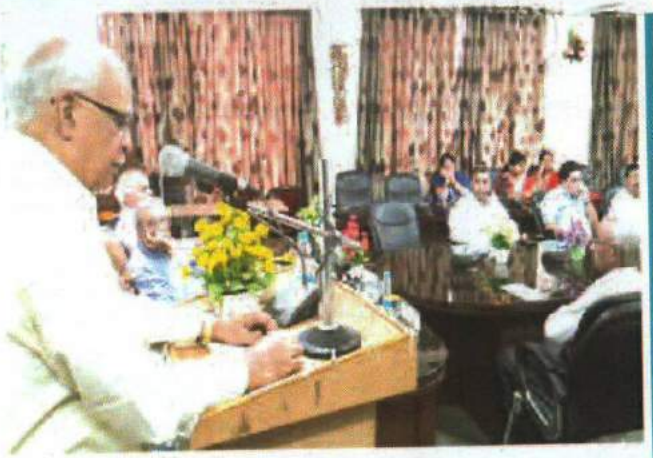

बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पटना के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जनक पाण्डेय ने कहा कि सरदार पटेल मे देशभक्ति का जुनून था। गांधी जी समावेशी व्यक्ति थे। उन्होंने सरदार पटेल को जोड़ा और बारदोली आन्दोलन की जिम्मेदारी दी। बारदोली आन्दोलन के उपरान्त ही गांधी जी ने उन्हे सरदार की उपाधि प्रदान की। प्रो0 पाण्डेय ने कहा कि ये सरदार पटेल और प0 नेहरू का बड़प्पन है कि दोनों ने एक दूसरे की बातों को माना। उनके छद्म विवाद की बात उछालना ओझापन है। प0 नेहरू और सरदार पटेल में अगर कोई विवाद होता तो ये देश संगठित रूप से समृद्ध नहीं होता। सरदार पटेल में अदभुत प्रशासनिक क्षमता थी। उन्होंने प्रशासनिक तंत्र को नया रूप प्रदान किया।

अध्यक्षता करते हुये इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूव कुलपति प्रो0 आर0पी0 मिश्र ने कहा कि सरदार पटेल और प0 जवाहरलाल नेहरू मानववादी थे और महात्मा गांधी तो मानव थे ही। उन्होंने कहा कि आज युवा पीढ़ी को सरदार पटेल जैसे महापुरूषों की स्मृति में कार्यक्रम आयोजन करके उनके महत्वपूर्ण कार्यो को रेखांकित किया जाना चाहिए। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के इस दिशा में सार्थक कदम बढ़ाये है।

(d) व्याख्यान

(i) दिनांक 31 अक्टूबर, 2014 को सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस पर राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें दर्शन शास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के पूर्व अध्यक्ष प्रो. देवकी नन्दन द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा. कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे जी द्वारा की गयी। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. आर. पी. एस. यादव एवं डॉ. टी. एन. दूबे जी द्वारा कराया गया।

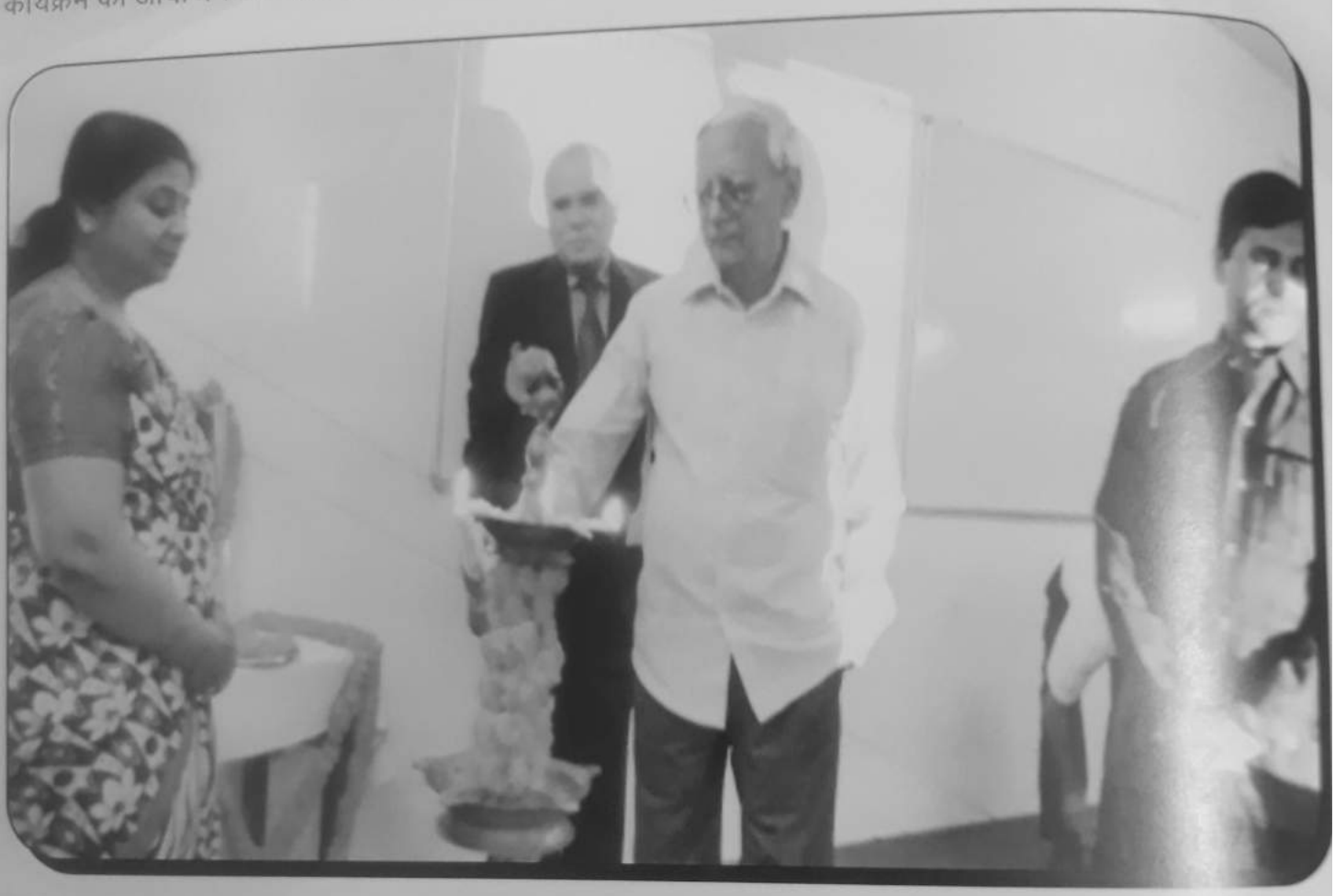

बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम पर मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं शपथ दिलाते हुए मा. अतिथि एवं कुलपति मा. एम.पी. दुबे जी।

(ii) दिनांक 11 नवम्बर, 2014 को भारत सरकार के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुलकलाम आजाद के जन्म दिवस प विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री मा. नरेन्द्र कुमार सिंह गौड़ जी रहे। विशिष्ट अतिथि पंजाब विश्वविद्यालय, पंजाब के लोक प्रशास के प्रो. आर. के. सप्रू जी रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा. कुलपति प्रो. एम.पी. दुबे जी द्वारा की गयी।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन से मुक्त विश्वविद्यालय ने किया एम0ओ0यू0

एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित पत्र जारी करते हुए दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष श्री आशीष जी, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर (डॉ0) जी0एस0 भुजल

दिव्य प्रेम सेवा मिशन से मुक्त विश्वविद्यालय ने किया एम0ओ0यू0

पूरे प्रदेश में 26 अक्टूबर से चलायेंगे योगाभ्यास कार्यक्रम

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने आज अपने सामाजिक दायित्व के निर्वहन हेतु दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के साथ कार्यक्रम आधारित परस्पर सहमति पत्र (एम0ओ0यू0) पर हस्ताक्षर किए। इस अनुबन्ध में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा संचालित योग एवं अन्य सम्बन्धित कार्यक्रम व्यापक रूप से उभय संस्थानों के संयुक्त प्रयास से चलाये जायेंगे। समारोह के मुख्य अतिथि दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के अध्यक्ष श्री आशीष जी रहे तथा समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

(ग.) पालीथिन मुक्त विश्वविद्यालय :-

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने पालीथिन, पन्नी एवं प्लास्टिक से बनी वस्तुओं के उपयोग पर पूर्ण रुप से प्रतिबन्ध लगा दिया है। पर्यावरण एवं संरक्षण की दिशा मे आगे बढते हुए विश्वविद्यालय ने अनोखी पहल की है। लोगों में जागरुकता उत्पन्न करने के लिए अब प्रत्येक आयोजन में अतिथियों को जूट निर्मित बैग प्रदान किया जा रहा है। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह के आह्वान पर सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में स्थित क्षेत्रीय केन्द्रो एवं अध्ययन केन्द्रों में पालीथिन का प्रयोग रोकने के लिए जागरुकता टीम अभियान चला रही है।

5. राष्ट्रीय राहत कोष

विश्वविद्यालय की तरफ से केरल के बाढ़ पीड़ितों के लिए इकट्ठा की गयी 1 लाख 43 हजार रुपये धनराशि का चेक प्रधान मंत्री राष्ट्रीय राहत कोष में देने पर विश्वविद्यालय परिवार की सराहना करते हुए माननीय राज्यपाल श्रीयुत् राम नाईक जी

माननीय राज्यपाल श्रीयुत् राम नाईक जी को विश्वविद्यालय की तरफ से कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने केरल के बाढ़ पीड़ितों के लिए इकट्ठा की गयी **1 लाख 43 हजार रुपये** धनराशि का चेक प्रधान मंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के लिये सौंपा जिसे माननीय राज्यपाल श्रीयुत् राम नाईक जी ने मानवता के लिए एक मिसाल बताते हुए विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहना की।

PRIME MINISTER'S NATIONAL RELIEF FUND

4. सामाजिक समरसता समारोह

प्रसार एवं सामाजिक संचेतना क्षेत्र

1. सभी परिसरों को प्लास्टिक फ्री ग्रीन परिसर बनाना
2. केरल में आयी बाढ़ के बाद पीड़ितों के सहायतार्थ प्रधानमंत्री राहत कोश में शिक्षकों व कर्मचारियों द्वारा अंशदान

मंचासीन माननीय अतिथि एवं समारोह में उपस्थित गणमान्य नागरिक तथा विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

गांधी जयन्ती के अवसर पर समरसता भोज का आयोजन

गांधी जयन्ती के अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी की पहल पर विश्वविद्यालय में पहली बार समरसता भोज का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के परिवार के सभी सदस्य पंक्तिबद्ध आसन ग्रहण कर सम्मिलित हुए। समरसता भोज का आयोजन भोजन मंत्र के साथ प्रारम्भ हुआ।

समरसता भोज से पहले मंत्र जाप करते हुए प्रो0 ओमप्रकाश शुक्ल जी।

3.सर्वसमावेशी संस्कृति कुम्भ एवं अन्य कार्यक्रम

सर्व समावेशी संस्कृति कुम्भ कार्यक्रम का क्रियान्वयन व आयोजन

दिनांक 30 जनवरी, 2019 को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, उत्तर प्रदेश शासन एवं मेला प्राधिकरण, प्रयागराज के सौजन्य से कुम्भ मेला में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एवं धर्माचार्य सम्मान समारोह का आयोजन गंगा पण्डाल, परेड क्षेत्र, कुम्भ मेला, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में विभिन्न सामाजिक–सांस्कृतिक संगठनों, प्रयागराज की शैक्षिक संस्थाओं तथा अरुन्धती वशिष्ठ अनुसंधान आदि ने विशिष्ट सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगत्गुरु स्वामी हंसदेवाचार्य जी ने की।

दीप प्रज्वलन, विश्वविद्यालय कुलगीत तथा राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। सर्वप्रथम माननीय अतिथियों तथा पाण्डाल में विराजमान सभी सन्तों, धर्माचार्यों तथा प्रबुद्धजनों तथा अन्य प्रतिभागियों का स्वागत उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी किया। तदोपरान्त मंचासीन सभी सन्तों व धर्माचार्यों का शाल, स्मृतिचिन्ह आदि द्वारा सम्मान किया गया। इसी दौरान माननीय अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों तथा प्रतिभागियों को स्मृतिचिन्ह व मुद्रित सामग्रियों आदि वितरित की गयी। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विशेष व्याख्यान माननीय सह कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ श्रीमान् भैया जी जोशी जी द्वारा दिया गया। इसके पश्चात प्रमुख सन्तों ने अपना–अपना उद्बोधन दिया।

News Letter
मुक्त चिंतन
उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj
हम पहंचे वहां पहंचा न कोई जहां माह : वर्ष :

मुविवि में राजर्षि टण्डन की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दिनांक 01 जुलाई 2019 को भारतरत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया।
कार्यक्रम संयोजक डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने कहा कि राजर्षि टण्डन देश के महान सपूत थे। इस विश्वविद्यालय का नाम राजर्षि टण्डन के नाम पर होना हमारे लिये गौरव की बात है।
इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, प्रो0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, डॉ0 एस0 कुमार, इं0 सुखराम मथुरिया, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता, डॉ0 रूचि बाजपेयी, डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया आदि शिक्षकों एवं कर्मचारियों आदि ने राजर्षि टण्डन के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

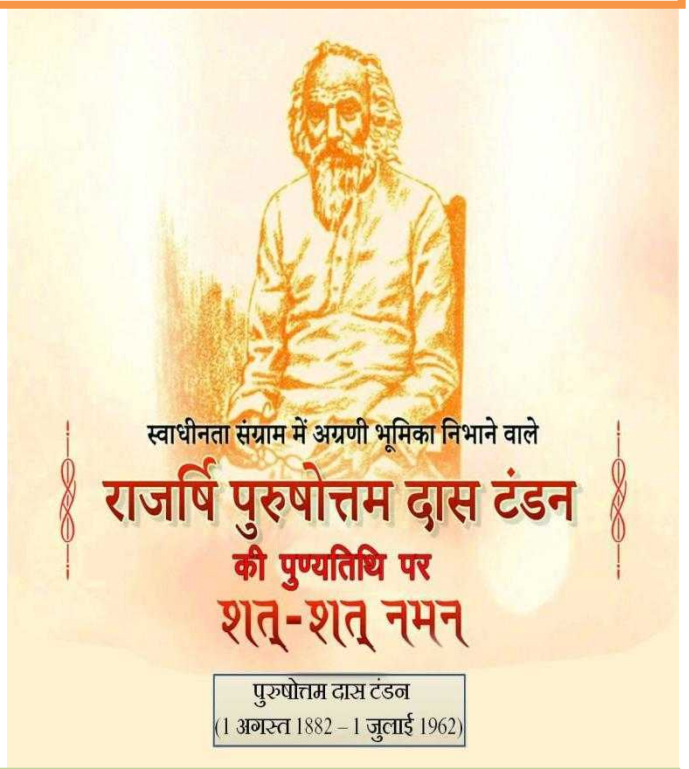

भारतरत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

01 अगस्त, 2019

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जयंती समारोह का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन एवं राजर्षि टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए माननीय अतिथि।

भारतीय संस्कृति के रक्षक थे राजर्षि टण्डन–डॉ0 गौर

राजर्षि टण्डन प्रेरणा के स्रोत –प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

दिनांक 01 अगस्त, 2019 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में भारतरत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन जयन्ती समारोह आयोजित की गयी। इस अवसर पर आयोजित वैचारिक समारोह के मुख्य अतिथि माननीय पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश डा0 नरेन्द्र कुमार सिंह जी रहे एवं समारोह की अध्यक्षता माानीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

प्रारम्भ में सरस्वती वन्दना डॉ0 अभिषेक सिंह, डॉ0 अमित सिंह ने प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। कार्यक्रम के बारे में कार्यक्रम संयोजक प्रो0 आर0पी0एस0 यादव ने जानकारी दी। संचालन डॉ0 स्मिता अग्रवाल एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 प्रदीप कुमार पाण्डेय ने किया। राजर्षि टण्डन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता, डॉ0 रामजन्म मौर्य एवं डॉ0 अतुल मिश्र ने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता, प्रो0 सुधान्शु त्रिापाठी, प्रो0 आशुतोष गुप्त, उपकुसचिव डॉ0 सुखराम मथुरिया, डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

15 अगस्त, 2019

ध्वजारोहण करने के लिए जाते हुए
माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त वि" वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वि" वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने ध्वजारोहण किया एवं विश्वविद्यालय के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय संदेश दिया।

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते
हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

05 सितम्बर, 2019

शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

शिक्षा का अंतिम उददेश्य राष्ट्र निर्माण– प्रो.सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल तथा इलाहाबाद बैंक ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय और लायन्स क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल के बीच परस्पर सहमति पत्रा (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किये गये।

इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि लायन्स के डॉ0 आर.के.एस चौहान जी रहे तथा विशिष्ट अतिथि लायन्स क्लब की अध्यक्ष सीमा गुप्ता जी रही एवं अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से डा. विनोद कुमार गुप्ता एवं लायन्स सुधा बहादुर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण गुप्त एवं डॉ0 हिमांशु गुप्त ने किया। इस अवसर पर लायन्स क्लब की तरफ से कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह, प्रो.ओम जी गुप्ता, प्रो. प्रेम प्रकाश दुबे, प्रो. आर.पी.एस. यादव, प्रो. पी.क पाण्डेय, प्रो जी.एस.शुक्ल, प्रो0 आशुतोष गुप्ता ताथा डॉ.विनोद कुमार गुप्ता को लायन्स क्लब की तरफ से अंग्रवस्त्रा तथा मानपत्रा देकर सम्मानित किया गया ।

शिक्षक दिवस समारोह में इलाहाबाद बैंक के मैनेजर श्री आशुतोष श्रीवास्तव ने भी विश्वविद्यालय के शिक्षकों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता, वित्त अधिकारी श्री अजय कुमार सिंह, उप कुलसचिव इं. सुखराम मथुरिया, सम्पत्ति अधिकारी डा. अनिल कुमार सिंह भदौरिया, परीक्षा नियंत्राक डा. गिरीश कुमार द्विवेदी, श्री वी. पी.मारवाह, हिमांशु गुप्ता, अशोक सिह, अमित तिवारी पुष्पा अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से करते हुए डा. विनोद कुमार गुप्ता एवं लायन्स सुधा बहादुर

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

16 सितम्बर, 2019

हिन्दी दिवस समारोह

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

मंचासीन माननीय अतिथिगण।

दिनांक 16 सितम्बर, 2019 को इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा हिन्दी दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी तथा विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रो0 आर0के0 सिंह जी रह। कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद विश्वविद्यालय , प्रयागराज के माननीय कुलपति प्रो0 के0एस0 मिश्रा जी ने की। कार्यक्रम में प्रो0 रामेन्द्र कुमार, परीक्षा नियंत्राक एवं प्रो0 चंदा देवी, विभागाध्यक्ष हिन्दी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए प्रो0 सन्तोष भदौरिया जी।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

25 सितम्बर, 2019

पं0 दीन दयाल उपाध्याय जयन्ती समारोह

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

चिरस्मरणीय हैं पं0 दीन दयाल उपाध्याय–प्रो0 कामेश्वर

मुविवि में दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के पं0 दीन दयाल उपाध्याय शोध संस्थान के तत्वावधान में पं0 दीन दयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन दिनांक 25 सितम्बर, 2019 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा लोक सेवा आयोग उ.प्र. के पूर्व अध्यक्ष, प्रो0 कृष्ण बिहारी पाण्डेय जी रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

अतिथियों का स्वागत समन्वयक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। संचालन आयोजन सचिव डॉ0 विनोद कुमार गुप्त ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 मानेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो0 नरेन्द्र कुमार राना, रामजी गिरि आदि शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्रा–छात्रायें उपस्थित रहे। इस अवसर पर रामजी गिरि ने मुख्य अतिथि प्रो0 पाण्डेय एवं कुलपति प्रो0 सिंह को स्वरचित पुस्तक राष्ट्रगीता की प्रति भेंट की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 विनोद कुमार गुप्त एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

02 अक्टूबर, 2019

मुक्त विश्वविद्यालय ने लिया घर–घर झोला पहुंचाने का संकल्प

महात्मा गांधी की 150 वीं जयन्ती पर विश्वविद्यालय में बाटे गये झोले

स्लोगन प्रतियोगिता में एस.एम.सी. की एरा मिश्र प्रथम, मुविवि के शिवपूजन जायसवाल द्वितीय एवं स्मृति सिंह तृतीय

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयन्ती के अवसर पर उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पॉलीथिन मुक्त अभियान के अंतर्गत कपड़े के झोले का वितरण किया गया। मुक्त विश्वविद्यालय ने गांधी जयन्ती के अवसर पर पॉलीथिन मुक्त अभियान स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त प्रतिभागी का स्लोगन **"पॉलीथिन से करो किनारा, घर–घर पहुंचा दो ये नारा"** झोले पर अंकित करवाया है। पालीथिन हटाने के लिये विश्वविद्यालय ने प्रधानमत्री की मुहिम को आगे बढ़ाते हुये पालीथिन मुक्त अभियान स्लोगन प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार, प्रमाणपत्रा तथा झोला प्रदान किया। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सेन्ट मेरीज कान्वेन्ट इण्टर कॉलेज, प्रयागराज की छात्राा एरा मिश्र को उनके स्लोगन "पॉलीथिन से करो किनारा, घर–घर पहुंचा दो ये नारा" पर दिया। लोगों में चेतना जागृत करने के लिये यह चयनित स्लोगन झोले पर अंकित किया गया है। इस कार्य को आगे बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गांवों में घर–घर पॉलीथिन मुक्त अभियान के अंतर्गत झोले का वितरण कराया जायेगा।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली एरा मिश्र को 3100 रूपये नगद, प्रमाणपत्रा एवं झोला प्रदान किया। इसी प्रकार कुलपति प्रो0 सिंह ने द्वितीय पुरस्कार के रूप में मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यरत श्री शिवपूजन जायसवाल को रू0 2100 नगद, प्रमाण पत्र तथा झोला एवं तृतीय पुरस्कार शान्तिपुरम की स्मृति सिंह को रू0 1100 नगद प्रमाणपत्रा तथा झोला प्रदान किया। दस अन्य सान्त्वना पुरस्कार विजेताओं में कुलपति प्रो0 सिंह ने पवन कुमार सोनकर, गवेन्द्र कुमार, उज्जवल दास, राजमणि पाल, सर्वेश त्रिपाठी, संदीप कुमार, दिलीप त्रिपाठी, श्रेयस जायसवाल, हिमांशु मिश्र एवं मुन्नी देवी को रू0 101 नकद, प्रमाण पत्रा तथा झोला प्रदान किया।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

31 अक्टूबर, 2019

मुविवि में राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन

कुलपति ने दिलाई एकता की शपथ

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरूवार को लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 144वीं जयन्ती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गयी। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्राों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने गंगा परिसर से सरस्वती परिसर तक राष्ट्रीय एकता दौड़ में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि देश की आजादी में सरदार पटेल के अमूल्य योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। भारत को एक राष्ट्र बनाने में सरदार पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरदार पटेल को स्मरण करते हुये उन्होंने कहा कि आज हमें ऊंच–नीच, अमीर–गरीब तथा जाति पंथ के भेदभावों को समाप्त कर सामाजिक समरसता का वातावरण उत्पन्न करना चाहिये। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता, प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 पी0के0 पाण्डय, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, डॉ0 एस0 कुमार आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दौड़ के अवसर पर दौड़ लगाते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह तथा साथ में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

24 नवम्बर, 2019

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मा0कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

बारी गांव में मुक्त विश्वविद्यालय ने बांटे थैले

गोद लिये गांव की लड़कियों की माफ होगी आधी फीस– कुलपति

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षा विद्याशाखा ने उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत दिनांक 24 नवम्बर, 2019 को सोरांव विकास खण्ड के बारी ग्राम को अंगीकृत किया। इस अवसर पर गांव में आयोजित वार्ता, परिचर्चा एवं पालीथिन मुक्त अभियान के अंतर्गत थैलों का वितरण किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे तथा अध्यक्षता सोरांव विकास खण्ड के ब्लाक प्रमुख श्री आलोक पाण्डेय जी ने की। कार्यक्रम के संयोजक शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन डॉ0 नीता मिश्र ने किया। अन्य प्रमुख लोगों में हौसला प्रसाद शुक्ल, डी0आर0सी0 उच्च प्राथमिक पाठशाला की प्रधानाचार्य वर्तिका गौड़, हृदय नारायण द्विवेदी, उप कुलसचिव,सुखराम मथुरिया, डॉ0 दिनेश सिंह, डॉ0 उपेन्द्र तिवारी, उमेश चन्द्र त्रिपाठी, अवधेश, परविन्द्र कुमार वर्मा, राजमणि पाल, श्रवण कुमार दुबे आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह ने ग्रामीणों को थैले वितरित किए इस अवसर पर सभी ने संकल्प लिया कि गांव को पालीथिन से मुक्त करने के लिये जागरूकता अभियान म सहयोग करेंगे।

कुलपति प्रो0 सिंह ने इस अवसर पर प्राथमिक स्कूल बारी के विशाल, पिंकी, सविता, ममता, वर्षा, रितिका, रामअनुराग तथा वैष्णवी आदि छात्रा–छात्राओं को नियमित उपस्थिति एवं स्वच्छता अभियान के लिए पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 नीता मिश्र एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

News Letter

मुक्त चिंतन

पुस्तक का विमोचन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं संस्था के सदस्यगण।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निगत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

24 दिसम्बर, 2019

मुविवि में अटल बिहारी बाजपेयी जयन्ती के पूर्व संध्या पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा

दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी के चित्रा पर माल्यार्पण करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी

सिद्धान्तों में अटल रहने वाले थे अटल– डॉ0 गौर

जयंती की पूर्व संध्या पर मुक्त विश्वविद्यालय ने अटल जी को किया याद

दिनांक 24 दिसम्बर, 2019 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की अटल बिहारी बाजपेयी गुड गवर्नेंस चेयर के तत्वाधान में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म दिन की पूर्व संध्या पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर जी रहे तथा समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ला जी ने की।

अटल बिहारी बाजपेयी गुड गवर्नेंस चेयर के प्रभारी प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने विषय प्रवर्तन तथा अतिथियों का स्वागत किया। दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने संचालन एवं डॉ0 एस0 कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर समाज विज्ञान विद्याशाखा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, परामर्शदाता एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

23 जनवरी, 2020

सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पर नमन

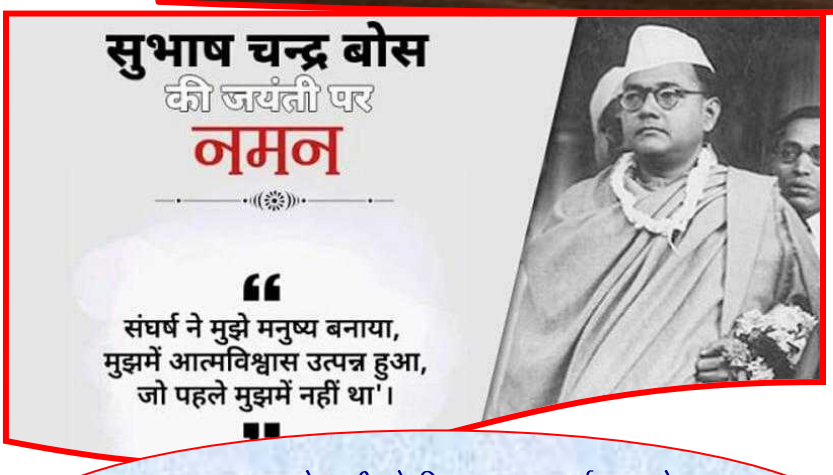

सुभाष चन्द्र बोस जी के चित्रा पर माल्यार्पण करते हुए अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी, एवं क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीगण।

अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र

उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में सुभाष चन्द्र बोस जी के जयन्ती पर उन्हें नमन किया गया। इस अवसर पर अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी, अवध विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह एवं क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

26 जनवरी, 2020

गणतन्त्र दिवस समारोह

दिनाँक 26 जनवरी, 2020 को विश्वविद्यालय में गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। जिसमें माननीय कुलपति जी, अधिकारी, निदेशक, अध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

ध्वजा रोहण के लिए जाते हुए माननीय कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

ध्वजा रोहण करते हुए माननीय कुलपति, प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

राष्ट्रगान के समय उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

11 फरवरी, 2020

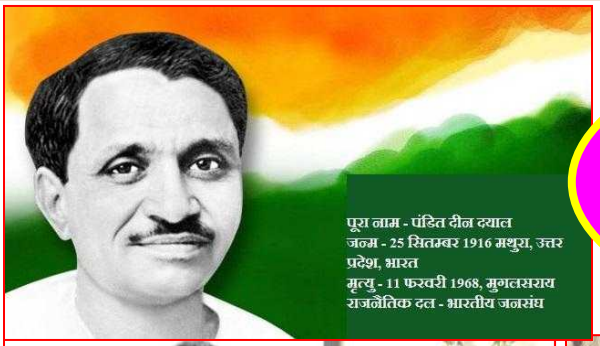

मुविवि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी पुण्यतिथि मनाई गई

विश्वविद्यालय के पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए, विश्वविद्यालय के अधिकारी व निदेशकगण।

मील के पत्थर होकर समाज में स्थापित हुए पं. दीनदयाल उपाध्याय – प्रो. जी. एस. शुक्ल

मुक्त विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई गई

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पं. दीनदयाल उपाध्याय अनुसंधान पीठ के तत्वाधान में मंगलवार को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

इस अवसर पर प्रोफेसर पी.के. पांडे, प्रोफेसर सुधांशु त्रिपाठी तथा डॉ. अतुल मिश्रा ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. विनोद कुमार गुप्त एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्त ने किया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुष्पांजलि अर्पित की।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

14 अप्रैल, 2020

भारतीय सविंधान निर्माता, बाबा साहेब

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर की 129वीं जयन्ती के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

आप सभी अवगत है कि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय परिवार प्रति वर्ष 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर की जयन्ती धूमधाम से मनाता रहा है। परन्तु इस वर्ष 22 मार्च, 2020 के जनता कर्फ्यू से लेकर अद्यतन चल रहे लाक डाउन के चलते सामूहिक रूप से आंबेडकर जयन्ती मनाया जाना सम्भव नहीं हो सका। विश्वविद्यालय परिवार की बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रति असीम आस्था है। आज मैं स्वयं सोशल डिस्टेंसिंग को बनाये रखते हुए बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण विश्वविद्यालय परिसर में किया।

सुविज्ञ है कि विश्व व्यापी कोरोना महामारी से निपटने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखने के लिए भारत के सामूहिक संकल्प को मूर्ति रूप देना ही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धाजंलि है। भारत के संविधान के रचयिता बाबा साहब ने संविधान की प्रस्तावना के प्रारम्भ में ''हम भारत के लोग'' शब्दावली को शामिल करते हुए राष्ट्र की सामूहिक उर्जा को जागृत किया था, जो हम सभी के लिए राष्ट्र निर्माण हेतु उर्जा का पुंज है। संविधान की प्रस्तावना में शामिल ''हम भारत के लोग'' को मुर्त रूप देने के लिए आज हम सभी को जाति, भाषा, क्षेत्र एवं सम्प्रदाय से उपर उठकर समाजहित एवं राष्ट्रहित में सोशल डिस्टेंसिंग को व्यवहार में अपनाते हुए तथा समाज के प्रति समता आर ममता का भाव रखते हुए संकल्प शक्ति जगाने का सही समय है।

मेरी आप सभी से अपील है कि आप अपने आवास पर रहते हुए संविधान के रचयिता बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करे।

सोशल डिस्टेंसिंग को बनाये रखते हुए बाबा साहब डॉ0 भीम राव आंबेडकर के प्रतिमा पर विश्वविद्यालय परिसर में माल्यार्पण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

कोविड–19 के समय विश्व के लिए विलक्षण उपहार है योग–प्रोफेसर सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय परिवार ने घर पर किया योगाभ्यास

21 वी शताब्दी के 20वें पायदान पर पहुंचे मानव के समक्ष कोविड–19 महामारी ने एक अस्तित्व का प्रश्न खड़ा कर दिया है। सभी भविष्य को लेकर सशंकित हैं एवं शौर्य खोते जा रहे हैं, सिवाय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने एवं भौतिक दूरी बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। ऐसी स्थिति में योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अपरिहार्य आवश्यकता है। उक्त उद्‌गार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रयागराज में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को स्वीकार करते हुए अपने व्यवहार में ला रही है। वस्तुतः योग वर्तमान शताब्दी में भारत द्वारा विश्व के कल्याण के लिए दिया गया एक विलक्षण उपहार है, जो संतुलन एवं समन्वय पर आधारित है। केवल व्यक्ति स्तर पर ही नहीं बल्कि प्रकृति एवं व्यक्ति के बीच भी संतुलन की आवश्यकता है। वस्तुतः योग जीवन जीने को एक अनूठी अवधारणा है। केवल सांस लेने एवं सांस छोड़ने के अभ्यास का नाम योग नहीं है। इसलिए भगवान कृष्ण ने गीता में कहा कि योगः कर्मसु कौशलम यानी कुशलता पूर्वक कार्य करना ही योग है। प्रोफेसर सिंह ने इस अवसर पर सोशल मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय परिवार को संशोधित करते हुए कहा कि जीवन को सुखमय और आनंदमय बनाने के लिए तथा अपने कार्य को संतोषप्रद बनाने के लिए अपने जीवन में योग का प्रयोग करें। आपस में सहयोग की भावना से ही आगे बढ़ा जा सकता है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह के निर्देश पर इस बार विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने घर पर परिवार सहित योगाभ्यास किया विश्वविद्यालय के उत्तर प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयकों ने भी सोशल डिस्टेंसिग अपनाते हुए अपने घर पर योगाभ्यास किया।

योग दिवस के अवसर

अपने परिवार के साथ योगाभ्यास

करते हुए

माननीय कुलपति

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित)

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

05 जून, 2020

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन

मा0 कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह जी

जीवन शैली में बदलाव से ही पर्यावरण संरक्षण–प्रोफेसर सिंह

पर्यावरण संरक्षण के लिए जन भागीदारी आवश्यक – प्रो0 राय

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शुक्रवार को "भारतीय जीवन पद्धति एवं पर्यावरण संरक्षण" विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। रा'ट्री; वेबिनार की अ/;{ता उ0प्र0 राजर्षि ट.डन मुक्त वि"वविद्याल; प्र;ा•राज के मा0 कुलपति प्रो0 के0,न0 सिंह जी ने की।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत डॉ रामजन्म मौर्य ने किया तथा विषय प्रवर्तन कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर प्रेम प्रकाश दुबे ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी,काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एनके राणा ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय बरेली के निर्माणाधीन भवन मे क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 आर.बी. सिंह तथा सभी कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

14 अगस्त, 2019

विचार गोष्ठी एवं वृहद वृक्षारोपण का आयोजन

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृक्षारोपण करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जीव अन्य अतिथिगण।

मुविवि के यमुना परिसर में हुआ सघन वृक्षारोपण

जल, जमीन, जंगल, जानवर सभी का संरक्षण जरूरी– कुलपति

दिनांक 14 अगस्त, 2019 को लायन क्लब इलाहाबाद सेन्ट्रल, नमामि गंगे टास्क फोर्स, प्रयागराज एवं उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में एक विचार गोष्ठी आयोजित की गयी। विचार गोष्ठी के मुख्य अतिथि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे।

इस अवसर पर लायन्स क्लब के अध्यक्ष सतीश टण्डन, नमामि गंगे के नायब सूबेदार बलराम सिंह एव लायन्स क्लब की सीमा गुप्ता आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने एवं संचालन डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, एवं परामर्शदाता उपस्थित रहे।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पढ़ते वहां पढ़ना न कोई जहां

21 जनवरी, 2020

मुविवि के माघ मेला क्षेत्र स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का शुभारम्भ

उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का शुभारंभ मंगलवार 21 जनवरी 2020को कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह के कर कमलों द्वारा हुआ।

माघ मेला क्षेत्रा स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का शुभारम्भ करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

दिनांक 21 जनवरी, 2020 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के माघ मेला क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर का उद्घाटन मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने किया। परेड ग्राउंड लाल सड़क पर स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर में लगी जागरूकता प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह जी ने किया। इस अवसर पर निःशुल्क प्रवेश विवरणिका तथा विश्वविद्यालय कैलेंडर का वितरण किया गया। इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सिंह का स्वागत करते हुए दूरस्थ शिक्षा जागरूकता प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने कहा कि विश्वविद्यालय मेला क्षेत्र में निरंतर इस तरह के जागरूकता शिविर का आयोजन करता रहता है। उन्होंने कहा कि इस बार जनवरी सत्र में नागरिकता संशोधन अधिनियम कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया जाएगा। विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी मेला क्षेत्र में स्थित दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर के कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। समारोह में कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्त, वित्त अधिकारी श्री ए के सिंह, डॉ0 आरपीएस यादव, डॉ0 एस कुमार, डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ0 प्रभात चंद्र मिश्र आदि उपस्थित रहे।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

22 अगस्त, 2019

उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत विभिन्न गांवों में

शैक्षिक एवं सामाजिक जागरूकता अभियान

बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित विश्वविद्यालय के निदेशकगण।

गांवों में जागरूकता अभियान चलायेगा मुक्त विश्वविद्यालय –कुलपति

उन्नत भारत के अन्तर्गत मातादीन का पूरा एवं लेहरा तिवारीपुर चयनित

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत विभिन्न गांवों में शैक्षिक एवं सामाजिक जागरूकता अभियान चलायेगा। माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी विचार/योजना (उन्नत योजना) को साकार रूप देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों में गुणात्मक उन्नयन व परिवर्तन के लिये मातादीन का पूरा एवं लेहरा तिवारीपुर गांव का चयन किया गया।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

29 अगस्त, 2019

फिट इंडिया मूवमेंट

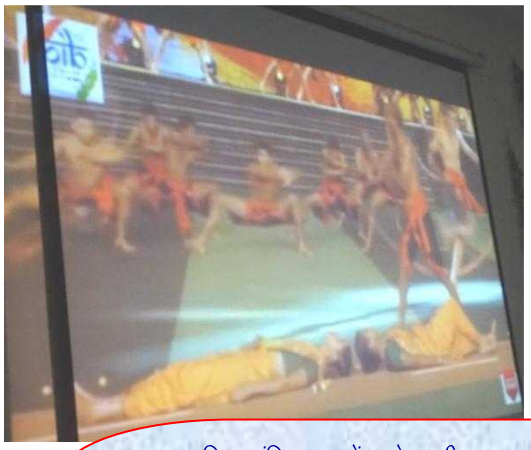

फिट इंडिया मूवमेंट के सजीव प्रसारण देखते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं परामर्शदातागण।

मुविवि गांवों में चलायेगा फिट इंडिया मूवमेंट– कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज फिट इंडिया मूवमेंट को आगे बढ़ाते हुये गांवों तक ले जायेगा। इसकी शुरूआत विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत किए हुए गांवो से होगी। उक्त वक्तव्य प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने गुरूवार को विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में दिया।

फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अभिभाषण के सजीव प्रसारण के उपरान्त प्रो0 सिंह ने आहवान किया कि फिट इंडिया मूवमेंट की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जायेगी और विभिन्न गांवों में स्वास्थ्य सहायता शिविर लगाकर जनजागरूकता अभियान चलाया जायेगा। फिट इंडिया मूवमेंट के सजीव प्रसारण के समय विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं परामर्शदाता उपस्थित रहे। कुलपति प्रो0 सिंह ने फिटनेस शपथ दिलाते हुये कहा कि स्वस्थ्य शरीर और स्वस्थ्य मन एक दूसरे पर आश्रित है इसलिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक है। इस अवसर पर कुलसचिव तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्त, मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रा0 आशुतोष गुप्त, कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे आदि उपस्थित रहे।

गांधी जयन्ती के इस विशेष अवसर पर विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में समरसता भोज का आयोजन

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

01 अक्टूबर, 2019

''महात्मा गांधी के आर्थिक चिंतन की प्रासंगिकता'' विषय पर कार्यशाला

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

स्वरोजगार गांधी जी के आर्थिक चिंतन का मूलमंत्रा– न्यायमूर्ति नारायण

महात्मा गांधी की कार्यशैली अपनायें–प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

मुविवि में गांधी के आर्थिक चिंतन पर कार्यशाला आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के तत्वावधान में दिनांक 01 अक्टूबर, 2019 को पूर्वान्ह 11.30 बजे सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में 'महात्मा गांधी के आर्थिक चिंतन की प्रासंगिकता' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी रहे तथा कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

इस अवसर पर प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यशाला का संचालन डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी ने किया। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव ने तथा कार्यशाला के बारे म एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ0 अमरेन्द्र कुमार यादव ने किया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो0 सिंह ने मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्राम से सम्मानित किया।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

05 नवम्बर, 2019

मुविवि में डिजिटल लाईब्रेरी पर कार्यशाला

डिजिटल क्रान्ति से पहुंचेगा गांवों में इन्टरनेट– कुलपति

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन केन्द्र (आई.क्यू.सी.ए.) तथा केन्द्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में 'एक्सेसिंग डिजिटल लाइब्रेरी रिसोर्सेज' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

प्रारम्भ में कार्यशाला की विषयवस्तु के बारे में विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आशुतोष गुप्ता ने जानकारी दी। संचालन डॉ0 राम जनम मौर्य, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा ने किया ।

News Letter

मुक्त चिंतन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10,1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University , Prayagraj

हम पहुंचे वहां पहुंचा न कोई जहां

10 अगस्त, 2019

माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए माननीय अतिथिगण।

''पर्यावरण एवं विकास'' पर प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह का व्याख्यान

पश्चिमी देशों के विकास का माडल पर्यावरण के लिए घातक : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

गोरखपुर विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग की ओर से व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 10 अगस्त, 2019 को दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा **''पर्यावरण एवं विकास''** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो0 हरी शरण जी ने की। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो0 शरद कुमार मिश्र नें अतिथियों का स्वागत एवं विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। विभागाध्यक्ष प्रो0 राजर्षि गौर ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया तथा पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो0 दिनेश यादव ने ध्न्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बायोटेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षकों एवं छात्रा–छात्राओं के अलावा भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो0 शिवाकांत सिंह, प्रो0 वशिष्ठ नारायण पाण्डेय, प्रो0 एनके राणा, इलेक्ट्रानिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 प्रो0 मनीष मिश्र, कम्प्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी, जूलॉजी विभाग से प्रो0 परमहंस पाठक, प्रो0 बीना बन्ना कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।।